चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 160 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
03 दिसंबर 2024 मंगलवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

80 बाघ, 91 गांव व 1271 वर्ग किमी का इलाका

कौन कितने रातापानी में... जंगल बचेगा तो कौन उजड़ेगा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से सटा रातापानी टाइगर रिजर्व मप्र का आठवां रिजर्व तो हो गया है लेकिन जंगल के भीतर या इससे सटे कई कारोबार को लेकर कई तरह के मोड आने की बातें भी शुरू हो गई हैं। अभी इस इलाके में करीब 80 से बाघ है, जो अब कोर के 3 और बफर के 88 गांवों के बीचो–बीच रहेंगे। इन्हें भ्रमण करने के लिए 1271 वर्ग किलोमीटर का एरिया मिलेगा। हालांकि इस जंगल के मुहाने पर कई तरह के कारोबार हो रहे हैं। इनमें खदान व क्रेशर के काम भी बताए जा रहे हैं तो होटल, फार्महाउस आदि निर्माण भी हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक सीहोर, रायसेन व भोपाल में रातापानी वन क्षेत्र से सटे क्षेत्रों में कई नेता, बड़े अधिकारियों और उद्योगपतियों ने जमीनें खरीदकर रखी हैं। इन जमीनों का भविष्य में व्यावसायिक उपयोग करने की योजना थी। ये नहीं चाहते थे कि रातापानी रिजर्व बने इसलिए इन्होंने पूर्व के वर्षों में पूरी कोशिशें की थी कि रिजर्व न बनें। इन सबके बावजूद यह किसी भी प्रदेश की राजधानी के पास से लगा देश का पहला टाइगर रिजर्व होगा, जो पर्यटकों को रिझाएगा। खास बात यह है कि भोपाल के समीप एक बडा वन क्षेत्र सुरक्षित हो जाएगा और यह फेफडों का काम करेगा। इसे केंद्र से सालाना 15 करोड का बजट भी मिलेगा। जो यहां पाए जाने वाले बाघ, तेंदुए समेत दूसरे वन्यप्राणियों के संरक्षण पर खर्च होंगे। फील्ड डायरेक्टर जैसे कई नवीन पद स्वीकृत होंगे, जो प्रबंधन में काम आएंगे। यही नहीं, बाघ संरक्षण की 10 वर्षीय कार्ययोजना बनेगी। हालांकि अब तक रातापानी वन्यजीव अभयारण्य था, इसे 2008 में ही टाइगर रिजर्व बनाने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई थी लेकिन तत्कालीन सरकारें आनाकानी कर रही थीं। शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते यह मामला बहुत अटका। फिर कमलनाथ सरकार आई तो वन मंत्री उमंग सिंघार ने इसे तेजी से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। लेकिन सरकार गिरने के कारण मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। यादव सरकार ने आते ही इस पर ध्यान दिया।

16 साल से अटका प्रस्ताव, यादव सरकार ने 6 महीने में पास कराया

यह भी होगा

- रातापानी टाइगर रिजर्व के अंदर भीमबेटका और गिन्नौरगढ़ के किले जैसे पर्यटन क्षेत्र आते हैं। अब इनका जीर्णोद्धार होगा। यहां पर्यटकों को आने-जाने के लिए जिप्सी उपलब्ध कराई जाएंगी।
- रातापानी बड़ा रिजर्व है, जो एक ओर राजधानी भोपाल, दूसरी ओर नर्मदा, सीहोर और रायसेन की सीमाओं से लगा है। सभी दिशाओं से इसमें प्रवेश की व्यवस्था होगी। उसके पहले रिजर्व के अंदर स्थित पर्यटन क्षेत्रों का वन्यप्राणी टूरिज्म सर्किट बनाया जाएगा।

इन गांवों को बफर में रखने वजह

कैरीचौका में प्राचीन महादेव स्थल है, जहां शिवरात्रि पर बड़ा मेला लगता है। देलावाड़ी से देवी धाम सलकनपुर नजदीक है, लोगों का हमेशा आना-जाना लगा रहता है। झिरीबेहड़ा से बेतवा नदी का उद्गम स्थल है, जहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं।

वनमंडल वार बफर क्षेत्र	जिलेवार कोर क्षेत्र
- औबेदुल्लागंज- 282.041	रायसेन- 628.781
- सीहोर- 218.722	सीहोर- 135.031
- भोपाल- 6.89	कुल- 763.812
कुल क्षेत्रफल- 507.653	क्षेत्रफल- वर्ग किमी में।

सप्ताहभर के हंगामें के बाद गतिरोध टूटने के आसार, संसद के बाहर प्रदर्शन

संसद संभली वॉकआउट के बाद चर्चा भी चली, यादव बोले- खोदोगे तो खो दोगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता तो हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। अब दूसरे सप्ताह गतिरोध में थोडी कमी देखी गई और संसद की कार्यवाही चली। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में आज भी अदाणी व अन्य मामलों में विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सदन के भीतर संभल हिंसा के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा से वॉक आउट किया। प्रश्नकाल के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल हिंसा का मुद्दा उठाया, इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाने के लिए कहा। इस पर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के सांसदों ने सदन से वॉक आउट कर दिया, कांग्रेस सांसद भी वॉक आउट कर गए। हालांकि बाद में अखिलेश यादव ने संभल हिंसा पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिस दिन से संसद सत्र शुरू हुआ है, समाजवादी पार्टी ने संभल की घटना का मुद्दा उठाने की कोशिश की है। संभल के अधिकारी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं, मानो वे भाजपा के कार्यकर्ता हैं। संभल की घटना भाजपा की सोची-समझी रणनीति है, ताकि लोगों को दूसरे मुद्दों से भटकाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग हर जगह खुदाई करना चाहते हैं, एक दिन वे देश की सौहार्द्रता और भाईचारे को खो देंगे। राजयसभा में भी संभल का मुद्दा उठा। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक ही सदस्य ने चार नोटिस दिए हैं। रामगोपाल ने संभल हिंसा का मुद्दा उठाया।

शिवराज बंगाल सरकार पर बिफरे

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है। इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है, ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, लेकिन हम राशि का दुरुपयोग नहीं होने देंगे...।

आज सस्पेंस समाप्त होने के आसार बने, सीएम हाउस पर जुट रहे महायुति के नेता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के 11 दिन बाद भी महायुति गठबंधन सरकार बनाने की प्रक्रिया में उलझी हुई है। आज अपरांह बाद सीएम आवास पर महायुति की बैठक बुलाई गई है और कहा जा रहा है कि एकनाथ शिंदे भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। इस गठबंधन को 288 सदस्यीय विधानसभा में 230 सीटों पर जीत हासिल हुई है। इसमें भाजपा को 132, शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीटें मिलीं। लेकिन लगातार इस बात पर सस्पेंस बरकरार है कि यहां का मुख्यमंत्री कौन होगा।

लोकसभा में राहुल और प्रियंका के बीच फासला बढ़ा

19 सीट दूर बैठेंगी प्रियंका

नईदिल्ली, एजेंसी

संसद के हंगामाई शीतकालीन सत्र के लिए अब लोकसभा में सीटों की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सीट तो यथावत ही रहेगी लेकिन वायनाड से नवागत सांसद प्रियंका गांधी के बैठने की व्यवस्था चौथी पंक्ति में की गई है। उनकी और राहुल गांधी की सीट के बीच 19 सीटों का फासला है। सत्तापक्ष में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पीएम के बगल में सीट नंबर दो और गृहंमत्री अमित शाह सीट नंबर 3 पर बैठेंगे। इसी तरह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पहले सीट नंबर 58 अलॉट की गई थी लेकिन अब संशोधित लिस्ट के मुताबिक अब उन्हें सीट नंबर चार दी गई है। 29 नवंबर के सर्कुलर में लोकसभा में सीट नंबर 4 व 5 को खाली छोड़ा था लेकिन नई सूची में इन्हें अपडेट किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जैसे शीर्ष नेताओं की सीटें खाली रहेंगी। विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं की सीट लोकसभा की पहली पंक्ति में ज्यों की त्यों रहेंगी। सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सीट नंबर 498 पर बैठेंगे। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव सीट 355 और तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय को सीट 354 अलॉट की गई है।

हसीना ने कहा - युनूस सामूहिक हत्या के मास्टरमाइंड

ढाका, एजेंसी. बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने देश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जमकर घेरा है। हसीना ने अपनी पार्टी अवामी लीग के एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शिरकत करते हुए कहा कि मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश को अराजकता में झोंक दिया है। यूनुस की वजह से ही बांग्लादेश में सामूहिक हत्याएं हो रही हैं और हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, वही इस सबके मास्टरमाइंड हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमलों के लिए भी यूनुस सरकार की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने देश की व्यवस्था को पटरी से उतार दिया है। हसीना ने बांग्लादेश में मंदिरों, गिरजाघरों और इस्कॉन पर हमलों का जिक्र करते हुए दावा किया कि यूनुस ने एक सुनियोजित योजना के तहत सामूहिक हत्याएं कराई हैं। हसीना का यह बयान हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच आया है।

आज का कार्टून

– साभार : माधव जोशी

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा

बरेली। गूगल मैप से लोकेशन देखकर यात्रा करना काफी खतरनाक हो गया है। कुछ दिन पहले अधूरे पुल से कार गिरने पर तीन लोगों की मौत हो गई थी। अब बरेली जिले में एक बार फिर गूगल मैप के कारण हादसा हो गया। इज्जत नगर इलाके के पीलीभीत रोड स्थित एक कार गूगल मैप के कारण कलापुर नहर में गिर गई। कार में तीन लोग सवार थे। पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार को नहर से निकलवाया। कार सवार सैटेलाइट से गूगल मैप के सहारे पीलीभीत जा रहे थे।

सेबी की शरण में पहंचे अडाणी

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप की कई कंपनियों ने पब्लिक शेयर होल्डिंग से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के एक मामले को निपटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से संपर्क साधा है। ग्रुप की चार लिस्टेड कंपनियों पर हेराफेरी के जरिए पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। मॉरीशस के एफपीआई इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स ने पिछले सप्ताह 28 लाख की सेटलमेंट अमाउंट का प्रस्ताव रखा था। सेबी का आरोप है कि यह फंड गौतम अडानी के बड़े सौतेले भाई विनोद अडानी से जुड़ा है।इस घटनाक्रम से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि सेबी ने अभी तक निपटान आवेदनों पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

मेट्रो एंकर मंत्री समूह ने कर दी सिफारिश, 21 को होगा फैसला

फिर बढ़ने वाला है जीएसटी, महंगे होंगे कोल्डड्रिंक व तंबाकू उत्पाद

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार जीएसटी की नयी दरों का निर्धारण कर रही है। इससे सिगरेट और तंबाकू का सेवन करने वालों की जेब पर भार बढने वाला है। जीएसटी काउंसिल बैठक से रेट्स को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित किए गए मंत्रियों के समूह ने तंबाकू प्रोडक्ट्स पर जीएसटी 28 फीसदी से बढ़ाकर अब 35 फीसकी किए जाने की सिफारिश की है। इस पर अंतिम फैसला इसी महीने 21 दिसंबर को जीएसटी काउंसिल बैठक में लिया जाएगा।

खबरों के मुताबिक, जीएसटी रेट्स तर्कसंगत बनाने के लिए गठित मंत्रियों के समूह ने सिगरेट एवं तंबाकू जैसे हानिकारक प्रोडक्ट्स के साथ ही कोल्ड ड्रिंक पर भी जीएसटी की दर को मौजूदा 28 फीसदी से बढ़ाकर 35 फीसदी किए जाने की सिफारिश की। अगर सरकार की ओर से ये फैसला लिया जाता है, तो इन प्रोडक्ट्स के दाम में तगड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने जीएसटी रेट्स में बदलाव की जो सिफारिश की है, उसकी रिपोर्ट जीएसटी काउंसिल को सौंपी जाएगी और इस पर आखिरी फैसला 21 दिसंबर की प्रस्तावित बैठक में लिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक राजस्थान के जैसलमेर में होने वाली है।

पुरानी अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की जगह 2017 को देश भर में वस्तु एवं सेवा कर लागू किया गया था. इसे देश में आजादी के बाद से सबसे बड़ा टैक्स सुधार माना जाता है. सरकार ने जीएसटी को 29 मार्च 2017 को पास कराया था और इसके बाद 1 जुलाई 2017 को इस नई टैक्स व्यवस्था को लागू किया था. इससे वैट , एक्साइज ड्यूटी (कई चीजों पर) और सर्विस टैक्स जैसे 17 टैक्स खत्म हो गए. केंद्र सरकार के मुताबिक, आज से 7 साल पहले लागू जीएसटी ने देश के लोगों पर टैक्स का बोझ कम करने में मदद की है।

ब्रांडेड कपड़े भी महंगे होंगे

एक अधिकारी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्री समूह ने ये फैसला किया है। 35 फीसदी की ये जीएसटी दर मौजूदा चारों स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी के अतिरिक्त होगी। जीओएम ने रेडीमेड और महंगे कपड़ों पर टैक्स रेट्स को भी तर्कसंगत बनाने के साथ ही समेत 148 आइटम्स की दरों में बदलाव की सिफारिश की है। मंत्रियों के समूह ने 1,500 रुपये तक की कीमत वाले रेडीमेड कपड़ों पर 5 फीसदी जीएसटी की सिफारिश की है, तो वहीं 1,500 से 10,000 रुपये तक कीमत वाले कपड़ों पर 18 फीसदी और इससे अधिक वैल्यू वाले कपड़ों पर 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगाए जाने की अनुशंषा की गई है।

मशाल रैली निकाली, दी श्रद्धांजलि

भोपाल, दोपहर मेट्रो। जेपी नगर यूनियन कार्बनडाई फैक्ट्री के सामने मशाल रैली। तो वहीं दूसरी ओर संभावना ट्रस्ट क्लीनिक द्वारा कैंडल जलाकर गैस पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई।

फिर लंबे समय लोगों को होना पड़ेगा परेशान

जीजी फ्लाईओवर की खामी दूर करने इसे तोड़कर बनाया जाएगा!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के वाहनचालकों के लिये लंबे समय से परेशानी बना हुआ जीजी फ्लाईओवर अभी लोकार्पित भी नही हुआ है और अब इसे तोडकर फिर से बनाए जाने की चर्चा है। इसके चलते तय है कि लंबे समय अभी यह वाहनों के लिये नहीं खुलेगा और लोगों को भारी फजीहतों का सामने करते रहना पडेगा। बताया जा रहा है कि ब्रिज की गलत डिजाइन ट्रैफिक पुलिस के लिए गले की हड्डी बन गई है। ब्रिज का भोपाल हाट की तरफ का बना हुआ हिस्सा सुरक्षित यातायात के मानकों पर खरा नहीं उतरा है। लिहाजा ब्रिज के शुरुआती हिस्से को तोड़कर दोबारा नए सिरे से बनाये जाने की बात चल पडी है ताकि भोपाल हाट की तरफ से चौराहे की तरफ जाने वाले ट्रैफिक और ब्रिज से नीचे की तरफ आने वाले वाहन चालक सुरक्षित आवाजाही कर सकें।

उल्लेखनीय है कि पुराने डिजाइन के मुताबिक जीजी ब्रिज के बनने के बाद उक्त चौराहे पर पांच रास्ते निकल रहे हैं। ऐसे में पांच रास्तों के लिए अलग-अलग ट्रैफिक सिग्नल लगा पाना ट्रैफिक पुलिस के लिए आसान नहीं है। इसे ध्यान में रखकर फिलहाल चौराहे पर बड़ी रोटरी बनाई जाएगी साथ ही भोपाल हाट की तरफ से आने वाले ट्रैफिक और ब्रिज से नीचे उतरने वाले ट्रैफिक के लिए अलग-अलग सिग्नल लगने की प्लानिंग चल रही है। हालांकि यह प्लानिंग कितनी कारगर साबित होगी, इसे बता पाने में अफसर हिचक रहे हैं। फिलहाल ब्रिज की गलत डिजाइन की वजह से ट्रैफिक पुलिस यातायात क्लियरेंस देने से मना कर दिया है। खास बात यह है कि शुरुआत में ही ब्रिज का डिजाइन विवादों में रहा, लेकिन विभाग के इंजीनियर इससे नकारते रहे और आज स्थिति बिगड़ चुकी है। अब एक्सपर्ट ब्रिज के शुरुआती हिस्से को तोड़ने की बात कह रहे हैं।

हीलाहवाली के कई दौर जारी

उधर गायत्री मंदिर की तरफ ब्रिज के किनारों पर बनाई जा रही आरईवाल का काम 80 मीटर का बचा हुआ है। इस काम के पूरा होने के बाद ब्रिज पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा। फिलहाल ब्रिज का यही हिस्सा है, जहां निर्माण कार्य लंबे समय से जारी है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी पहले कोलार पाइप लाइन का हवाला देकर इस काम में देरी की बात कह रहे थे, लेकिन पाइप लाइन को हटे हुए काफी समय हो चुका है। पिछले दिनों ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी और मैनिट के एक्सपर्ट सिद्धार्थ रोकड़े ने ब्रिज पर यातायात मानकों का जायजा लिया था। इस दौरान ब्रिज पर जगह-जगह लगाए गए ट्रैफिक पुलिस के संकेत उन्होंने देखे। रोकड़े ने अफसरों से कहा कि ब्रिज पर टू व्हीलर की स्पीड अधिकतम 60 और जंक्शन पर न्यूनतम गति 30 की रहेगी इसलिये ब्रिज से नीचे उतरने वाले ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए वहां बड़ी रोटरी की अनुशंसा की गई है।

दूसरे छोर पर भी कई अडंगे

इस ब्रिज के गणेश मंदिर वाले सिरे की तरफ की साइट अब क्लियर हो चुकी है। यहां भी ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षित यातायात मानकों के तहत बीच में डिवाइडर बनाने के लिए कहा था। पीडब्ल्यूडी ने डिवाइडर बनाकर गणेश मंदिर की तरफ से जो वाहन चालक अरेरा कालोनी की तरफ मुड़ जाते थे। वह अब 100 मीटर दूरी से यानी वीर सावरकर सेतू का पूरा चक्कर लगाने के बाद हबीबगंज अंडरब्रिज से होकर अरेरा कलोनी, 1100 क्वार्टर पहुंच पाते हैं। पूर्व में गणेश मंदिर की तरफ से ही वाहन चालक अरेरा कालोनी वाले क्षेत्र से होकर अपने ज्ञातव्य तक आसानी से पहुंच जाते थे।

राजधानी की बदलेगी सूरत, दुबई और हांगकांग की तरह नजर आएंगी ऊंची इमारतें

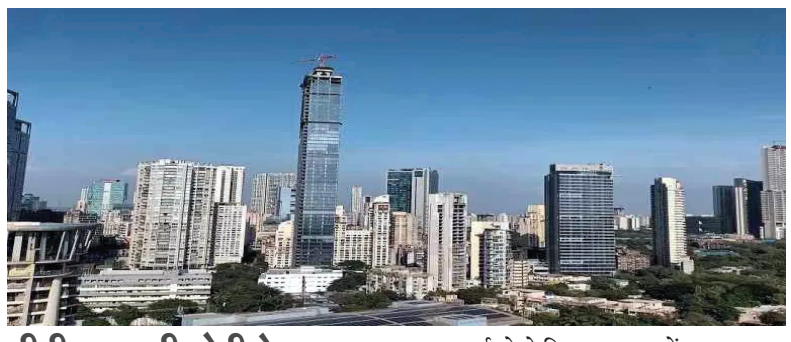

टीडीआर- टीओडी के तहत 60 मीटर चौड़ी रोड किनारे प्लॉट एरिया से 7 गुना तक अधिक निर्माण का नियम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आगामी दिनों में आपको शहर के नर्मदापुरम रोड, रायसेन रोड, इंदौर रोड दुबई, हांगकांग, न्यूयार्य के मैनहट्टम जैसी ऊंची इमारतें नजर आएगी। मास्टर प्लान में तय 60 मीटर से अधिक चौड़ी सडक़ों के किनारे प्लॉट एरिया का पांच से सात गुना तक निर्माण करने के नियम का शहर पर बड़ा असर होगा। सबसे महत्वपूर्ण तो ये कि कम जगह में ज्यादा निर्माण किया जा सकेगा। वहीं टीओडी-टीडीआर रीसिविंग एरिया के तहत 24 मीटर चौड़ी रोड के दोनों तरफ 50-50 मीटर तक व्यवसायिक निर्माण को पहले ही मंजूर किया जा चुका है। अब 60 मीटर और 75 मीटर चौड़ी रोड पर पांच से सात गुना तक निर्माण अनुमति देकर ज्यादा निर्माण की राह खोल दी है।

ऐसे समझें आमजन पर असर: शासन के नए नियम से छोटी कॉलोनी, मोहल्ले की सडक़ व स्थिति का असर नहीं होगा। ये नियम बायपास रोड और नई तय व शहर से बाहर की सडक़ों पर ही लागू हो पाएगा। शहर के भीतर की सडक़ें 30 मीटर की चौड़ाई में है।

ऊंचाई वाले भवनों को ऐसे समझें

न्यूयॉर्क सिटी के मैनहट्टन जैसे घने इलाकों में 7 एफएआर या उससे अधिक की अनुमति दी जाती है। सिंगापुर में मरीना बे और सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट जैसे इलाकों में अत्यधिक एफएआर की अनुमति है। हांगकांग में घने आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में एफएआर 10 से भी अधिक होता है, लेकिन औसत सेफ्शल लोन में 7 एफएआर आम है। दुबई में बिजनेस बे, डाउनटाउन दुबई, और पाम जुमेराह जैसे इलाकों में उच्च एफएआर मिलता है। टोक्यो (जापान) के अत्यधिक घने शहरी इलाकों और मेट्रो स्टेशन के आसपास। दिल्ली के विशेष व्यापारिक क्षेत्रों (जैसे कनॉट प्लेस) और ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट कॉरिडोर में 7 एफएआर की अनुमति दी गई है। मुंबई में क्लस्टर डेवलपमेंट और रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स (जैसे स्लम रीडेवलपमेंट और सेसा जोन) में 7 एफएआर है। बेंगलुरु में विशिष्ट आईटी कॉरिडोर और विशेष आर्थिक क्षेत्रों में उच्च एफएआर लागू होता है। हैदराबाद में विशेष रूप से हाई-टेक सिटी और फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में सात एफएआर है। गुड़गांव एनसीआर क्षेत्र में विशेष आर्थिक क्षेत्र और मिश्रित भूमि उपयोग परियोजनाओं में।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पमनदास को याद किया समाजसेवियों ने

हिरदाराम नगर. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूज्य सिंधी पंचायत के संस्थापक अध्यक्ष स्व पमन दास मनवानी की 12वीं पुण्यतिथि पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में कोडोमल हाल, झूलेलाल मंदिर में मनायी गयी। समाजसेवियों ने पमनदास मनवानी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी ने कहा कि मनवानीजी एक नेक एवं सरल स्वभाव के धनी थे। देश की आजादी के आंदोलन में मनवानीजी का बड़ा योगदान रहा। इसके अलावा सिंध में आजादी के लिए कई आंदोलन प्रदर्शन किए। सिंध में सुभाष चंद्र बोस के दौरे पर भेंट के दौरान उन्हे गिरफ्तार भी किया गया ओर जेल भिजवाया गया। इसके अलावा वह समाज के कार्यो में भी लगे रहे। इस अवसर पर पूर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष रमेश जनयानी, हीरो हिन्दू, घनश्याम लालवानी, नंद दादलानी, जगदीश आसवानी, पार्षद अशोक मारण ने भी अपने विचार रखे।मनवानी के पुत्र राज मनवानी ने बताया कि हमारे पिताजी को छात्र जीवन से ही आजादी के लिए जज्बा था। शादी के छ माह बाद 6 माह जेल में रहे। इसके अलावा कई आंदोलनों में भाग लिया।

घर के लिए महानगर बैंक से लोन लेने पर 1.80 लाख तक की सब्सिडी

हिरदाराम नगर. महानगर बैंक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र आवास ऋण लाभार्थियों को ब्याज की सब्सिडी का लाभ पहुंचाने के लिये भारत सरकार के निकाय राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ एमओयू किया गया हैं, जिसके अंतर्गत बैंक से आवास ऋण प्राप्त करने वाले पात्र हितग्राहियों को रुपये 1 लाख 80 हजार तक के ब्याज की सब्सिडी सीधे ग्राहक के खाते में जमा की जा सकेगी। मध्यप्रदेश आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) एवं बैंक अध्यक्ष सुशील वासवानी ने बताया कि बैंक विगत 28 वर्षों से सम्पूर्ण जिला भोपाल में अपनी चार शाखाओं एवं एटीएम सुविधा के साथ अनेकों प्रकार की सुविधाओं का लाभ ग्राहकों को प्रदान कर रही हैं जिसमें आवास ऋण भी प्रमुख तौर पर हैं, अब बैंक के ग्राहक भी उक्त योजना के तहत ब्याज की सब्सिडी पाकर अपना स्वयं का मकान खरीद एवं निर्माण कर सकते हैं । महानगर बैंक नागरिकों को आगे भी बेहतर सेवाओं को उपलब्ध करवाने में सदैव तत्पर रहेगी।

पुरातन सिंधी साहित्य के लिए सिंधी अकादमी करेगी सहयोग : सबनानी

राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद, सिंधी अकादमी ने संगोष्ठी का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। किसी भी भाषा व बोली का सीधा संबंध उस भाषा के साहित्य से होता है, हमें यदि सिन्धी भाषा की शिक्षा को ब?ावा देना है तो 712 ईस्वी से पूर्व के सिन्धी इतिहास पर गम्भीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि उस काल का सिन्धी साहित्य क्या था,यह हम सभी की जानकारी में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य के लिए शासन की ओर से सहयोग मिलेगा और इसकी चिंता मैं स्वयं करूंगा। यह बात विधायक भगवानदास सबनानी ने कही। वे मध्यप्रदेश सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद-नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। मप्र में सिन्धी शिक्षा-राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में विषय पर आधारित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद-नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रविप्रकाश टेकचंदानी ने थे। उन्होंने कहा कि आज समय आ चुका है कि हम सिन्धी भाषा की महत्ता को पुनर्स्थापित करें क्योंकि नई शिक्षा नीति इस संबंध में बहुत सहायक है। उन्होंने यह भी बताया कि विभिन्न विषयों की पुस्तकों का सिन्धी में अनुवाद हो ऐसी एआईसीटीई की मंशा भी है और आवश्यकता भी लगभग 1500 से अधिक पुस्तकें सिन्धी में अनुवादित की जाना हैं परन्तु अनुवादक इतनी अधिक संख्या में नहीं हैं, इसी प्रकार आने वाले समय मे विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में सिन्धी शिक्षा के लिए अध्यापन के अवसर आने वाले हैं, इसलिए हम सभी को अपने बच्चों को अभी से इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करना होगा। संगोष्ठी के आरम्भ में अतिथियों का स्वागत अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने किया। संगोष्ठी का संचालन समीक्षा लछवानी ने किया।

मेट्रो एंकर जे खर्च से बचाकर नवनिध की छात्राओं ने हेल्पेज इंडिया को 74 हजार रुपए दिए

दान समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम: बूलचंदानी

हिरदाराम नगर. एजेंसी

नवनिध स्कूल में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की छात्राओं द्वारा अपनी पॉकेट मनी से एकत्रित की गई राशि ?74,497 को हेल्पेज इंडिया की प्रतिनिधि अनुराधा मिश्रा को सौंपी गई। इस अवसर पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि हमें हमेशा जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि दान केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है, जो हमारे सहयोग और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज सेवा एक ऐसा कार्य है, जो न केवल दूसरों के जीवन में बदलाव लाता है, बल्कि आत्मिक संतोष भी प्रदान करता है। प्राचार्या अमृता मोटवानी, उप प्राचार्या रेखा केवलानी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे। हेल्पेज इंडिया की प्रतिनिधि अनुराधा मिश्रा ने छात्राओं को भविष्य में भी समाजसेवा के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन लता मनवानी ने किया।

स्कॉय मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में 15 पदक

नवनिध स्कूल की छात्राओं ने तीसरी राष्ट्रीय स्कॉय मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप में जीते 15 पदक जीते। प्रतियोगिता धुले, महाराष्ट्र में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में नवनिध की छात्राओं ने अंडर 11 में रुद्राक्षी सिंह नरवरे, रजत, अनुष्का जैन, स्वर्ण, अंडर-14 में कनक दुबे, स्वर्ण, दीक्षा दुनानी, कांस्य, नेवी जैन, रजत, सृष्टि पेसवानी, स्वर्ण और चैंपियन ऑफ चैंपियंस ट्रॉफी, कनिष्का सोनी, रजत, निशिका मेहरा, कांस्य समूह कौशल टीम निशिका मेहरा, अनुष्का जैन, दीक्षा दुनानी, रजत पदक हासिल किए। अंडर 18 में ऋषिका सांखले, रजत समूह कौशल टीम नेवी जैन, कनिष्का सोनी, ऋषिका सांखले, कांस्य में पदक हासिल किया। स्कूल की खेल प्रशिक्षिकाओं, शिवानी कुशवाहा और चंचल कुशवाहा ने भी अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। शिवानी कुशवाहा ने 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को भी रिजर्व बनाने की हरी झंडी

माधव राष्ट्रीय उद्यान बनेगा टाइगर रिजर्व, केंद्र सहमत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में जल्द ही टाइगर रिजर्व की संख्या 7 से बढ़कर 9 होने वाली है। केंद्र ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व बनाने पर सहमत हो गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) रविवार को इसकी तकनीकी स्वीकृति जारी कर दी है। उद्यान को रिजर्व घोषित करने से पूर्व उसके अंदर एक नर व एक मादा बाघ छोड़ा जाएगा, केंद्र ने इसकी भी अनुमति दी है। वहीं रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को रिजर्व घोषित करने की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है और कल शाम नोटिफिकेशन भी जारी हो गया है। कभी भी नोटिफिकेशन आ सकता है। पहले से प्रदेश में सतपुड़ा, पेंच, बांधवगढ़, कान्हा, संजय डुबरी, पन्ना और रानी दुर्गावती को मिलाकर 7 टाइगर रिजर्व है। वन मुख्यालय से मिली जानकारी

के मुताबिक एनटीसीए की तकनीकी समिति की बैठक में मप्र के माधव राष्ट्रीय उद्यान को बाघ अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को चर्चा में शामिल किया था। सभी बिंदुओं पर बातचीत के बाद मंजूरी दी गई। प्रस्तावित रिजर्व का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर और बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर होगा। इस तरह कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर होगा। माधव को रिजर्व बनाने से कई फायदे होंगे। माधव राष्ट्रीय उद्यान की सीमा कूनो नेशनल पार्क से लगी है। ऐसे में माधव को रिजर्व बनाने से स्वभाविक है कि कूनो के आसपास भी सुरक्षा नियम और कड़े हो जाएंगे। यहां रखे जा रहे चीतों को सुरक्षा कवच मिलेगा। प्रदेश में लगातार बाघों की संख्या बढ़ रही है, माधव को सुरक्षित कर यहां उन रिजर्वों से बाघ छोड़े जाएंगे, जहां इनकी

संख्या अधिक है। इसकी शुरुआत हो गई है। एनटीसीए ने सैद्धांतिक सहमति देने के साथ ही उद्यान में एक नर और एक मादा बाघ छोड़ने की भी मंजूरी दी है। बाघों के आबादी तक निकलने की समस्या को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

दो नए आईटी पार्क उज्जैन और रीवा में लेंगे आकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के दो नए आईटी पार्क उज्जैन और रीवा जल्द आकार लेने वाले हैं। मुख्यमंत्री आईटी पार्क की नींव भूमि पूजन कर इसी दिसम्बर माह में रखने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार रीवा का 53 करोड़ और उज्जैन का 48 करोड़ 101 करोड़ की लागत से जल्द निर्मित होने वाले दोनों आईटी पार्क राज्य की आर्थिक गतिविधि को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्द होंगे। मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा नव निर्मित किये जाने वाले आईटी पार्क में 60 प्रतिशत परिसर आईटी, आईटीईएस, ईएसडीएम के कार्य से जुडी इकाइयों को दिया जायेगा और और 40 फीसदी का कॉमर्शियल उपयोग किया जायेगा। एमपीपोस्ट के मुताबिक प्रदेश में आईटी, आईटीईएस ईएसडीएम डाटा सेंटर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मप्र आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति में संशोधन इसीलिए किये हैं कि पात्र निवेशक इकाइयों को नीति का लाभ प्राप्त हो सके। सीएम ने बताया हमने टॉवर पॉलिसी के अलावा क्लाउड सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए मप्र क्लाउड पॉलिसी भी बनाई है। आईटी सेक्टर में हर प्रकार की विशेषता व नवीनता को बढ़ावा देने के लिया अनेक तरह की सुविधाएं दे रहे हैं। मप्र अब आईटी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने अग्रसर है। सरकार ने भोपाल में 1, इंदौर,में 2, ग्वालियर और जबलपुर में आईटी पार्क 5 आईटी पार्क की स्थापना किये हैं।

विजयपुर उपचुनाव में हार गए हैं रावत

सीएम से मिले वनमंत्री रावत, इस्तीफे पर जल्द निर्णय तय, विभाग बंटवारे पर पेंच

भोपाल, दोपहर मेट्रो। विजयपुर विधानसभा उप चुनाव में हार के बाद वनमंत्री रामनिवास रावत ने सोमवार रात सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। अब माना जा रहा है कि जल्द ही उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा। हालांकि उनके इस्तीफे के बाद खाली होने वाले वन एवं पर्यावरण जैसे विभागों के बंटवारे पर पेंच फंसना तय है, क्योंकि इन दोनों ही विभागों को लेने के लिए कुछ मंत्री व विधायक चक्कर लगा रहे हैं।

जो किसी के पास नहीं, वे सीएम के पास

इस्तीफे के स्वीकार होते ही वन और पर्यावरण जैसे दो विभाग खाली हो जाएंगे, जो किसी मंत्री को नहीं दिए जाने तक सीएम के पास रहेंगे। लेकिन दोनों बड़े विभाग है, जिन्हें इस्तीफे के बाद वितरित करना तय है। इस बात का अहसास कुछ मंत्रियों व विधायकों को पहले ही हो चुका है, जो इन्हें पाने की जद्दोजहद में दिल्ली की दौड़ लगा चुके हैं।

दिल्ली तक दौड़ लगा चुके हैं मंत्री, विधायक

हाल के दिनों में कुछ मंत्री व विधायक दिल्ली गए थे। इनमें कुछ तो कैमरे के सामने आ गए, लेकिन ज्यादातर कैमरे में कैद नहीं हुए। माना जा रहा है कि ऐसे मंत्री व विधायक किसी भी तरह वन व पर्यावरण विभाग पाना चाहते हैं। इस बात की मंशा ऐसे मंत्री व विधायक केंद्रीय नेतृत्व के सामने जता चुके हैं।

इस्तीफा मंजूर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं

विजयपुर विधानसभा उप चुनाव में वनमंत्री रामनिवास रावत की हार और उसके बाद इस्तीफे की पेशकश के बाद यह स्थिति निर्मित हुई है। सरकार ने अब तक रावत का इस्तीफा मंजूर नहीं किया है लेकिन उनके इस्तीफे को स्वीकार करना लगभग तय मना जा रहा है, क्योंकि इस्तीफा मंजूर करने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है।

शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने प्रतिभा सम्मान समारोह में कहा-

5 साल में हर सरकारी स्कूल होगा डिजिटल ताकि बच्चे पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में अगले 5 वर्षों में प्रत्येक सरकारी स्कूल की हर कक्षा को डिजिटल करने का प्रयास किया जायेगा। सरकारी स्कूलों के बच्चे पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें, इसके लिये राज्य सरकार हर संभव कोशिश करेगी। यह बात स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने रतलाम में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि रतलाम के सीएम राइज विनोबा स्कूल ने दुनियाभर में पहला स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि देश का हर स्कूल एक्सीलेंस बनें।

श्रेष्ठ संस्थानों में कोचिंग दिलायी जा रही

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनजातीय कार्य मंत्री और रतलाम जिले के प्रभारी मंत्री कुँवर डॉ. विजय शाह ने कहा कि प्रदेश में जनजातीय वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छे कॅरियर के लिये श्रेष्ठ संस्थानों में कोचिंग दिलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि रतलाम का यह समारोह प्रदेश के अन्य जिलों को भी प्रेरणा देगा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने बताया कि हमारा यह फाउण्डेशन रतलाम में कक्षा-10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहा है। सम्मान के रूप में विद्यार्थियों को टाइटन की रिस्ट वॉच एवं शील्ड प्रदान की गयी है। वर्ष 2024 के सम्मान समारोह में 2024 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है।

न्यूज एजुकेशन पॉलिसी ट्रैकर को किया जा रहा नियमित रूप से अपडेट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए गठित की 13 समितियां और टास्क फोर्स

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लोक शिक्षण आयुक्त की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की 13 समितियां गठित की गई हैं। यह समितियां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न ग्रुप एवं क्षेत्रों से संबंधित हैं। बेहतर क्रियान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पदेन सदस्य हैं। टास्क फोर्स में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षाविदों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रदेश में गठित 13 समितियों एवं टॉस्क फोर्स के सदस्यों के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उसके क्रियान्वयन के संबंध में परिचर्चा भी आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के

साथ समन्वय कर शिक्षा विशेषज्ञों के उद्बोधन कराये गये हैं। केन्द्र सरकार के दिशा-निर्देश अनुसार न्यूज एजुकेशन पॉलिसी ट्रैकर को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है।

पाठ्य-पुस्तक स्थायी समिति की हुई बैठक: प्रदेश के लिये राज्य पाठ्यचर्या फाउंडेशन स्टेज 2022 के लिये एनसीएफ-एफएस-2022 को आधार मानते हुए राज्य के संदर्भ में परीक्षण करने के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र स्तर पर 10 कार्य समूहों का गठन कर समूहों द्वारा तैयार प्रतिवेदन को अनुशंसा के साथ पाठ्य-पुस्तक स्थायी समिति की बैठक में प्रस्तुत किया गया है। इसके बाद इस अनुशंसा पर राज्य शासन से अनुमोदन भी प्राप्त किया जा चुका है। प्रदेश में पाठ्यचर्या एवं पाठ्य-पुस्तकों पर एससीएफ-एफएस के अनुरूप कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीय

सुस्त दर व चुस्त दावे

कई बार सोच कुछ और होता है हकीकत कुछ और। दरअसल, सोच भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाए जाने का है और बार बार अर्थव्यवसथा में ऐसा झोल नजर आने लगता है कि मंजिल दूर खिसकती प्रतीत होती है। तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के हालिया आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अक्सर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी रहेगी। अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चूंकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसद दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसद थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घट कर 7.7 पर पहुंच गई। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घट कर 3.1 फीसद रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसद थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त है। तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना नजर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। इन असर के चलते लोग केवल जरूरी चीजों की खरीद करते हैं, विलासिता की और टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे। जानकार मानते हैं कि किसी भी अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकारी व्यय में कटौती करनी पड़ रही है। जिस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आ रही है, उससे जाहिर है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सिकुड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विकास परियोजनाओं पर भी बुरा असर पड़ेगा। ताजा आर्थिक विकास के ताजा आंकड़े सरकार के लिए चेतावनी की तरह हैं। सरकार को चाहिये कि तदर्थ और अव्यावहारिक उपायों के बजाय बुनियादी कमजोरियों पर काम हो। इससे रोजगार और लोगों की आय में बढ़ोतरी की संभावना बढेंगी, ऐसे समग्र विकास का माडल से यदि हर व्यक्ति खुश रहे तो फिर अर्थव्यवस्था के पायदान बहुत महत्व नहीं रखते।

निशाना

है हमने ये ठाना !

-कृष्णेन्द्र राय

हर बात पर राजनीति ।
होकर रहने वाली ।।
चलता तेज़ दिमाग है ।
नहीं है रखना खाली ।।
काम पड़ा है ज्यादा ।
ना करना आराम ।
घटनाएं कुछ हो रहीं ।
ज्यादा अब तमाम ।।
हर पल अब कुछ नया ।
लेकर के ही आना ।।
पेश है करना वह कुछ ।
चाहे जो ज़माना ।।
होंगे कामयाब हम ।
है हमने ये ठाना ।।
लेकिन होगा बंद ना ।
रहेगा बजता गाना ।।

सत्ता के लिए कांग्रेस फिर बैलगाड़ी युग में ले जाने की तैयारी में

■ आलोक मेहता

हाल के चुनावों में भारी पराजय से परेशान कांग्रेस के नेताओं को पुराने चुनाव चिन्ह बैलों की जोड़ी याद आ रही है। वैसे बैलों की गाड़ी से देश में फिर सत्ता में आने की तैयारी हो रही है। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि बैलट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर देशव्यापी अभियान चलाएगी। संविधान दिवस के मौके पर पार्टी के संविधान रक्षक सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव की मांग उन्होंने कहा कि जितनी भी शक्ति लगाकर एससी-एसटी, ओबीसी, गरीब तबके के लोग, छोटे समुदाय के लोग जो अपना वोट दे रहे हैं वो वोट फिजूल जा रहा है। हमने जैसे भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, वैसे ही बैलेट पेपर से चुनाव के लिए एक देशव्यापी अभियान चलाएंगे। खरगे ने कहा, अहमदाबाद में कई गोदाम हैं। ईवीएम को वहां रख देना चाहिए। जब बैलेट पेपर से चुनाव होगा तब भाजपा को अपनी हालत का पता चलेगा। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भी वोटिंग मशीन के खिलाफ अभियान का निर्णय हुआ। खरगे ने कहा कि वे अन्य पार्टियों को भी इस मुहिम में शामिल करेंगे।पुराने कांग्रेसी शरद पवार ने भी अपनी पार्टी के हारे हुए उम्मीदवारों को वोटिंग मशीन के जरिए गड़बड़ी के सबूत इकट्ठा करने का निर्देश दे चुके हैं। इसके बाद नाना पटोले ने भी ऐलान कर दिया कि कांग्रेस ईवीएम के खिलाफ पूरे महाराष्ट्र में सिग्नेचर कैंपेन चलाएगी। पटोले ने कहा कि महाराष्ट्र में लोगों का वोट चुराया गया इसलिए कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में ईवीएम की जगह बैलेट से वोट कराने की लड़ाई भी लडेगी।

इससे तीन दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की बजाय बैलट पेपर से चुनाव कराने की जनहित याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा- ईवीएम से पार्टियों को दिक्कत नहीं है, आपको क्यों है। ऐसे आइडिया कहां से लाते हो ?इस पर याचिकाकर्ता केए पॉल ने कहा- चंद्रबाबू नायडू और वाईएस जगन मोहन रेड्डी जैसे नेताओं ने भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से छेड़छाड़ पर सवाल उठाए हैं।बेंच ने कहा, %चंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हारते हैं तो कहते हैं कि वोटिंग मशीन से छेड़छाड़ होती है और जब वे जीतते हैं तो वे कुछ नहीं कहते हैं।हम इसे कैसे देख सकते हैं। हम इसे खारिज कर रहे हैं। ये वो जगह नहीं है जहां आप इस सब पर बहस करें। % इससे पहले भी उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट ने वोटिंग मशीन को लेकर आई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अनेक टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों तथा सभी पक्षों को सुनने के बाद वोटिंग मशीन के उपयोग को श्रेष्ठ माना था।

इसलिए अब कांग्रेस और उनके समर्थक दलों , संगठनों , स्वयंसेवी संगठनों अथवा कुछ पूर्वाग्रही मीडिया चुनाव विश्लेषकों द्वारा ईवीएम और चुनाव आयोग पर पक्षपात की रुदाली शुरु करने पर यह सवाल उठने लगता है कि कांग्रेस के नेता क्या पहले की तरह अपने वफादार या समर्थक चुनाव आयुक्त होने पर ही चुनाव नतीजों पर भरोसा कर सकते हैं ? इसमें कोई शक नहीं कि टी एन सेशन , नवीन चावला , एम एस गिल , जे एम लिंगदोह , एस वाई कुरैशी बहुत काबिल और ईमानदार अधिकारी एवं कुशल चुनाव आयुक्त रहे थे। हाँ यह भी तथ्य है कि टी एन सेशन सरकारी पद से हटने के बाद राष्ट्रपति पद और फिर कांग्रेस के उम्मीदवार के रुप में लोक सभा का चुनाव लड़े , लेकिन दोनों चुनावों में पराजित हुए। नवीन चावला प्रशासनिक सेवा के प्रारम्भिक दौर में एस डी एम के रुप में संजय मेनका गाँधी के विवाह की क़ानूनी प्रक्रिया में शामिल होने के कारण इंदिरा गाँधी , संजय , फिर राजीव सोनिया गाँधी के साथ पारिवारिक संबंधों के लिए चर्चित रहे। एम एस गिल चुनाव आयुक्त रहने के बाद कांग्रेस पार्टी से राज्य सभा के सदस्य और मनमोहन सिंह सरकार के ख़ास मंत्री रहे। लिंगदोह पर भी कांग्रेस के साथ संबंधों के आरोप लगे। एस वाई कुरेशी कांग्रेस पार्टी से नहीं जुड़े लेकिन कांग्रेस राज में चुनाव आयुक्त रहे और वैचारिक दृष्टि से अलप संख्यकों के मुद्दों पर उनके विचार और लेखन भाजपा से भिन्न कहे जा सकते हैं।

इस पृस्ठभूमि के बावजूद सबसे दिलचस्प बात यह है कि पहले से अब महाराष्ट्र चुनाव के बाद भी नवीन चावला , एस वाई कुरेशी और ओ पी रावत जैसे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त सार्वजनिक रुप से बता रहे हैं कि विश्व में भारत की वर्तमान ईवीएम मतदान व्यवयवस्था बिल्कुल सर्वश्रेष्ठ है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हो सकती है। एक अरब चालीस करोड़ के देश में साठ सत्तर प्रतिशत मतदान गौरवशाली है। महानगरों से सुदूर ग्रामीण और दुर्गम इलाकों में लाखों मतदान केंद्र और सत्तर लाख से अधिक कर्मचारी लगते हैं। यही नहीं हर मतदान केंद्र पर पार्टियों और उम्मीदवारों के प्रतिनधियों के सामने और नियमानुसार निर्धारित फॉर्म पर निष्पक्षता के हस्ताक्षर के साथ मशीनें सील होती हैं। फिर यह भ्रम भी गलत है कि पांच बजे की समय सीमा होने पर भी मतदान का आंकड़ा क्यों बढ़ जाता है ? असली कारण यह है कि मतदान केंद्र में पांच बजे तक प्रवेश कर चुके पंक्तिबद्ध अंतिम मतदाता देर तक वोट डालते हैं। वहीं त्रिपुरा या अन्य आदिवासी क्षेत्रों में समुचित संचार व्यवस्था नेटवर्क

नहीं होने से कुछ केन्दों के मतदान के आंकड़े देर से आते हैं। सभी चुनाव आयुक्त और विशेषज्ञ केवल प्रमाणिकता के लिए कुछ प्रतिशत वीवीपैट के प्रबंध को उचित मानते हैं। उनका तर्क है कि सौ प्रतिशत वीवीपैट होने पर तो फिर पर्चे से मतदान मतगणना जैसी स्थिति होगी और परिणाम कई हफ़्तों में आएँगे। चुनाव में धन के प्रलोभन के मुद्दे पर अदालत ने भी कहा कि वोटिंग मशीन के बजाय कागजी मतपत्र और पेटी होने पर भी प्रलोभन दिया जाता था या दिया जा सकता है।

महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर कांग्रेस की दलील ये है कि लोकसभा चुनाव में उनके गठबंधन ने 48 में से 30 सीटें जीतीं थीं। पांच महीने बाद विधानसभा में 288 में से सिर्फ 48 सीटें कैसे आ सकती हैं? कांग्रेस के नेता भूल गए कि दिल्ली में जून 2019 में लोकसभा की। की7 सीटें बीजेपी ने जीती थी। 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव हुए। बीजेपी को 70 में से सिर्फ 8 सीटें मिलीं। इससे थोड़ा पहले चले जाएं। दिल्ली में 2014 में बीजेपी ने लोकसभा की सातों सीटें जबरदस्त मार्जिन से जीती थीं लेकिन कुछ महीने बाद जब चुनाव हुए तो केजरीवाल ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, 70 में से 67 सीटें हासिल कीं। तो मतदाता कुछ महीनों में अपना मन कैसे बदल लेता है? इसका जवाब यह है कि लोकसभा चुनाव में जब बीजेपी 240 पर अटकी तो कांग्रेस के लिए वोटिंग मशीन अति उत्तम थी, ना बैटरी पर सवाल उठाया, ना वी वी पेट पर मिलवाया। अगर उस समय बीजेपी 300 सीटें पार कर जाती तो कांग्रेस जरूर कहती कि वोटिंग मशीन में गड़बड़ की गई। राहुल गांधी अबतक बैलेट यात्रा निकाल चुके होते। हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस ने वोटिंग मशीन पर सवाल उठाए। मशीनों की 99 परसेंट बैटरी का जिक्र किया। चुनाव आयोग ने 1500 पेज का जवाब भेजा। जब वीवीपैट के मिलान पर सवाल पूछा गया तो चुनाव आयोग ने बताया कि 4 करोड़ वोटों का वीवीपैट से मिलान किया गया और एक भी गलती नहीं निकली। एक और दिलचस्प बात ये है कि जब पहली बार की शिकायतें आईं तो चुनाव आयोग ने एक कार्यक्रम आयोजित किया। कहा, जिसको भी शिकायत है आए वो वोट हैक करके दिखाए लेकिन कोई नहीं आया।

दूसरी तरफ कांग्रेस के ही नेता जी. परमेश्वर स्वीकारते हैं कि महाराष्ट्र में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बहुत खराब प्रदर्शन किया है। यह हर कोई जानता है। हमने और महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने कल एक साथ बैठकर विश्लेषण किया।उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी गठबंधन सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जैसी योजना बनाई गई थी, वैसा चुनावी अभियान चलाने में विफल रहीं। परमेश्वर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के पर्यवेक्षक थे। उन्होंने कहा, लडकी बहिन योजना उनके लिए काफी प्रभावशाली रही। पिछले छह महीनों तक उन्होंने इसे प्रचारित किया,ये सब उनके हाथ में था। आखिरकार हमने टिकटों का एलान कर दिया और पार्टी में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शरद पवार और उद्धव ठाकरे के गुट आपस में अच्छी तरह से गठबंधन नहीं बना पाए, उन्होंने जैसी योजना बनाई गई थी, वैसा प्रचार नहीं किया। खासकर विदर्भ में हमें कम सीटें मिलीं।

उन्होंने आगे कहा, हमें विदर्भ से कम से कम 50 सीटें मिलने की उम्मीद थी। लेकिन चुनाव परिणाम इसके विपरीत आए। परमेश्वर ने कहा, महाराष्ट्र में कांग्रेस और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने बहुत खराब प्रदर्शन किया है। यह हर कोई जानता है। हमने और महाराष्ट्र के कुछ नेताओं ने कल एक साथ बैठकर विश्लेषण किया। पूर्व मुख्यमंत्री (राजस्थान) अशोक गहलोत और भूपेश बघेल (छत्तीसगढ़) और हम एक साथ बैठे। महा विकास अघाडी (एमवीए) के घटक दल के रूप में कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन उसे सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा और उसे सिर्फ 16 सीटों पर जीत मिली। यह कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

ईवीएम की शुरुआत से पहले, पेपर बैलेट का इस्तेमाल किया जाता था। हालाँकि, चुनावी परिदृश्य में कई तरह की गड़बड़ियाँ थीं, जैसे वोट में हेराफेरी, जाली वोटिंग, बाहुबल के ज़रिए बूथ कैप्चरिंग और पेपर बैलेट को संभालने की समय लेने वाली प्रक्रिया। हज़ारों अवैध वोट भी थे। इसके अलावा, चुनावों के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले कागज़ की मात्रा ने पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और संसाधनों की बर्बादी के बारे में चिंताएँ पैदा कीं। इन चुनौतियों के जवाब में, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने नागरिकों के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अधिक कुशल और सुरक्षित तरीका खोजा। ईवीएम के विकास का काम बीईएल (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड) और ईसीआईएल (इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) को सौंपा गया था। ईवीएम का पहला प्रयोग 1982 में केरल के उत्तरी पारूर विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव के दौरान हुआ था, जिसके बाद दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में इसका सफल परीक्षण किया गया। इन प्रयोगों के सकारात्मक परिणामों ने ई.वी.एम. को व्यापक रूप से अपनाने का मार्ग प्रशस्त किया। 1998 से, सभी राज्य चुनाव ई.वी.एम. द्वारा आयोजित किए गए। 2004 में लोकसभा चुनावों के लिए विशेष रूप से ई.वी.एम. का उपयोग करने का निर्णायक निर्णय एक परिवर्तनकारी बदलाव था, जिसने पारंपरिक पेपर बैलेट प्रणाली को अलविदा कह दिया। ईवीएम के लिए लागू किए गए सुरक्षा उपाय एक व्यापक चार-स्तरीय ढांचे पर काम करते हैं। सुरक्षा के इन स्तरों को पहचानना और समझना महत्वपूर्ण है।

तकनीकी सुरक्षा उपाय: ईवीएम का निर्माण विशेष रूप से दो प्रमुख केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बीईएल और ईसीआईएल द्वारा किया जाता है, जो उच्च सुरक्षा वाले रक्षा उपकरण बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। उपयोग किए जाने वाले सॉफ़्टवेयर को एक सावधानीपूर्वक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिसे एक बार प्रोग्राम करने योग्य/मास्क किए गए चिप पर जला दिया जाता है, जिससे इसे बदलने या छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं मिलती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये मशीनें पूरी तरह से गैर-नेटवर्क रहती हैं, जिससे हैकिंग को रोकने के लिए अन्य मशीनों या प्रणालियों के साथ किसी भी वायर्ड या वायरलेस कनेक्शन को समाप्त कर दिया जाता है।

ईवीएम के परिवहन के दौरान सुरक्षित भंडारण कक्ष से लेकर मतदान केंद्रों तक हर चरण में पूर्णतया सुरक्षात्मक उपाय किए जाते हैं। इसमें तीन स्तर की जांच और मतदान के दिन एक सहित तीन मॉक पोल शामिल हैं, जो सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की सतर्क निगरानी में किए जाते हैं। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया का वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से दस्तावेजीकरण किया जाता है। जिन कमरों में ईवीएम संग्रहीत की जाती हैं, उन्हें पूरे साल अर्धसैनिक बलों द्वारा सील और संरक्षित किया जाता है। राजनीतिक दलों को आमंत्रित किए बिना कोई भी कमरा नहीं खोला जा सकता है।

तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा स्वतंत्र निगरानी- पांच विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के पांच प्रोफेसरों वाली एक स्वायत्त तकनीकी सलाहकार समिति, संपूर्ण ईवीएम प्रक्रिया की निगरानी की भूमिका निभाती है।ईसीआई-ईवीएम की कार्यप्रणाली को सर्वोच्च न्यायालय सहित कई न्यायालयों में चुनौती दी गई है, जो तकनीशियनों और कंप्यूटर विशेषज्ञों की जांच के बाद ईवीएम के साथ छेड़छाड़ न किए जाने के संबंध में संतुष्ट थे। सर्वोच्च न्यायिक जांच सर्वोच्च न्यायालय (सुब्रमण्यम स्वामी बनाम ईसीआई, 2013) द्वारा की गई थी। यह तर्क दिया गया था कि ईवीएम को पूरी तरह से छेड़छाड़-रहित बनाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, वीवीपीएटी (वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) आवश्यक है। चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि, अक्टूबर 2010 में एक सर्वदलीय बैठक के बाद ईवीएम को पेश करने का सुझाव दिया गया था, यह पहले से ही इस अवधारणा पर काम कर रहा था, और इसकी तकनीकी सलाहकार समिति ने 26 मई, 2011 को इसके लिए डिज़ाइन को पहले ही मंजूरी दे दी थी, और पांच जलवायु क्षेत्रों में एक फील्ड टेस्ट आयोजित किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने ईसीआई की व्यावहारिकता और उचित दृष्टिकोण की सराहना की और टिप्पणी की-... हम इस प्रणाली को शुरू करने में ईसीआई द्वारा किए गए प्रयासों और अच्छे इशारे की सराहना करते हैं।इस निष्कर्ष पर पहुँचते हुए कि पेपर ट्रेल स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की एक अपरिहार्य आवश्यकता है, न्यायालय ने भारत सरकार को वीवीपीएटी मशीनों की खरीद के लिए अपेक्षित धनराशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। न्यायालय ने ईसीआई को चरणबद्ध तरीके से मशीनें शुरू करने की अनुमति दी, जो किया गया। तब से, पूरे देश में ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है।सुरक्षित कागज़ रिकॉर्ड रखना महत्वपूर्ण है। मतदाता सत्यापन को प्रिंटर पर एक छोटी स्क्रीन के रूप में पेश किया गया था ताकि मतदाता अपनी आँखों से देख सके कि वोट वास्तव में उसके द्वारा चुने गए उम्मीदवार को जा रहा है। पेपर ऑडिट ट्रेल वह पर्ची है जिसे प्रिंट करके सीलबंद बॉक्स में डाला जाता है और जिसे जरूरत पड़ने पर गिना जा सकता है। वर्तमान में, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पांच मशीनों से पर्चियों की गिनती की जाती है। इसके बाद अनावश्यक विवाद से जनता को भ्रमित करना एक तरह से अपराध ही कहा जा सकता है।

(साभार : लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस 3 दिसंबर, 2024 पर विशेष

दिव्यांगों की उपेक्षा मानवता पर कलंक

■ ललित गर्ग

हर वर्ष 3 दिसंबर का दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों को समर्पित है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा 'विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष' के रूप में मनाया गया और वर्ष 1981 से अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाने की विधिवत शुरुआत हुई। साल 2024 में विकलांग दिवस का विषय है, 'एक समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना'। यह विषय विकलांग व्यक्तियों की भूमिका को मान्यता देता है, जो सभी के लिए एक समावेशी और टिकाऊ दुनिया बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही, यह निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी पर भी ज़ोर देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विकलांगता के मुद्दों की समझ को बढ़ावा देना और विकलांग व्यक्तियों की गरिमा, अधिकारों और कल्याण के लिए समर्थन जुटाना है। यह राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के हर पहलू में विकलांग व्यक्तियों के एकीकरण से प्राप्त होने वाले लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास करता है।

विकलांगों के प्रति सामाजिक सोच को बदलने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये एवं उनके कल्याण की योजनाओं को लागू करने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल सरकारें बल्कि आम जनता में भी विकलांगों के प्रति जागरूकता का माहौल बना है। समाज में उनके आत्मसम्मान, प्रतिभा विकास, शिक्षा, सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने की जरूरत है। विकलांगता के मुद्दे पर पूरे विश्व की समझ को नया आयाम देने एवं इनके प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण को दूर करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकलांगों को विकलांग नहीं कहकर दिव्यांग कहने का प्रचलन शुरू कर एक नयी सोच को जन्म दिया है। हमें इस बिरादरी को जीवन की मुस्कुराहट देनी है, न कि हेय समझना है। विकलांगता एक ऐसी परिस्थिति है जिससे हम चाह कर भी पीछा नहीं छुड़ा सकते। एक आम आदमी छोटी-छोटी बातों पर झुंझला उठता है तो जरा सोचिये उन बदकिस्मत लोगों का जिनका खुद का शरीर उनका साथ छोड़ देता है, फिर भी जीना कैसे है, कोई इनसे सीखे। कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने विकलांगता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया है। ऐसे लोगों ने विकलांगता को अभिशाप नहीं, वरदान साबित किया है।

पूरी दुनिया में एक अरब लोग विकलांगता के शिकार हैं। अधिकांश देशों में हर दस व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग हैं। इनमें कुछ संवेदनाविहीन व्यक्ति भी हैं। विकलांगता एक ऐसा शब्द है, जो किसी को भी शारीरिक, मानसिक और उसके बौद्धिक विकास में अवरोध पैदा करता है। ऐसे व्यक्तियों को समाज में अलग ही नजर से देखा जाता है। यह शर्म की बात है कि हम जब भी समाज के विषय में विचार करते हैं, तो सामान्य नागरिकों के बारे में ही सोचते हैं। उनकी ही जिंदगी को हमारी जिंदगी का हिस्सा मानते हैं। इसमें हम विकलांगों को छोड़ देते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? ऐसा किस संविधान में लिखा है कि ये दुनिया केवल पूर्ण मनुष्यों के लिए ही बनी है? बाकी वे लोग जो एक साधारण इंसान की तरह व्यवहार नहीं कर सकते, उन्हें अलग क्यों रखा जाता है? क्या इन लोगों के लिए यह दुनिया नहीं है? इन विकलांगों में सबसे बड़ी बात यही होती है कि ये स्वयं को कभी लाचार नहीं मानते। वे यही चाहते हैं कि उन्हें अक्षम न माना जाए। उनसे सामान्य तरह से व्यवहार किया जाए। पर क्या यह संभव है?

प्रश्न यह भी है कि विकलांग लोगों को बेसहारा और अछूत क्यों समझा जाता है? उनकी भी दो आँखें, दो कान, दो हाथ और दो पैर हैं और अगर इनमें से अगर कोई अंग काम नहीं करता तो इसमें

इनकी क्या गलती? यह तो नसीब का खेल है। इंसान तो फिर भी कहलायेंगे, जानवर नहीं। फिर इनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव कहां तक उचित है? किसी के पास पैसे की कमी है, किसी के पास खुशियों की, किसी के पास काम की तो अगर वैसे ही इनके शारीरिक, मानसिक, ऐन्द्रिक या बौद्धिक विकास में किसी तरह की कमी है तो क्या हुआ है? कमी तो सबमें कुछ-न-कुछ है ही, तो इन्हें अलग नजरों से क्यों देखा जाए? परिपूर्ण यानी सामान्य मनुष्य समाज की यह विडम्बना है कि वे अपंग एवं विकलांग लोगों को हेय की दृष्टि से देखते हैं। लेकिन विकलांग लोगों से हम मुंह नहीं चुरा सकते क्योंकि आज भी कहीं-न-कहीं हम जैसे इन्हें हीन भावना का शिकार बना रहे हैं, उनकी कमजोरी का मजाक उड़ा कर उन्हें और कमजोर बना रहे हैं। उन्हें दया से देखने के बजाय उनकी मदद करें, आखिर उन्हें भी जीने का पूरा हक है और यह तभी मुमकिन है जब आम आदमी इन्हें आम बनने दें। जीवन में सदा अनुकूलता ही रहेगी, यह मानकर नहीं चलना चाहिए। परिस्थितियां भिन्न-भिन्न होती हैं और आदमी को भिन्न-भिन्न परिस्थितियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

कहते हैं जब सारे दरवाजे बंद हो जाते हैं तो भगवान एक खिड़की खोल देता है, लेकिन अक्सर हम बंद हुए दरवाजे की ओर इतनी देर तक देखते रह जाते हैं कि खुली हुई खिड़की की ओर हमारी दृष्टि भी नहीं जाती। ऐसी परिस्थिति में जो अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव को संभव बना देते हैं, वो अमर हो जाते हैं। दृढ़ संकल्प वह महान शक्ति है जो मानव की आंतरिक शक्तियों को विकसित कर प्रगति पथ पर सफलता की इबारत लिखती है। मनुष्य के मजबूत इरादे दृष्टि दोष, मूक तथा बधिरता को भी परास्त कर देते हैं। अनगिनत लोगों की प्रेरणास्रोत, नारी जाति का गौरव मिस हेलेन केलर शरीर से अपंग थी, पर मन से समर्थ महिला थीं। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति ने दृष्टिबाधिता, मूक तथा बधिरता को पराजित कर नई प्रेरणा शक्ति को जन्म दिया। सुलिवान उनकी शिक्षिका ही नही, वरन् जीवन संगनी जैसे थीं। उनकी सहायता से ही हेलेन केलर ने टालस्टाय, कार्लमार्क्स, नीत्शे, रविन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गाँधी और अरस्तू जैसे विचारकों के साहित्य को पढ़ा। हेलेन केलर ने ब्रेल लिपि में कई पुस्तकों का अनुवाद किया और मौलिक ग्रंथ भी लिखे। उनके द्वारा लिखित आत्मकथा 'मेरी जीवन कहानी' संसार की 50 भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। अल्प आयु में ही पिता की मृत्यु हो जाने पर प्रसिद्ध विचारक मार्कट्वेन ने कहा कि, केलर मेरी इच्छा है कि तुम्हारी पढ़ाई के लिए अपने मित्रों से कुछ धन एकत्रित करूँ। केलर के स्वाभिमान को धक्का लगा। सहज होते हुए मृदुल स्वर में उन्होंने मार्कट्वेन से कहा कि यदि आप चन्दा करना चाहते हैं तो मुझ जैसे विकलांग बच्चों के लिए कीजिए, मेरे लिए नहीं। एक बार हेलेन केलर ने एक चाय पार्टी का आयोजन रखा, वहाँ उपस्थित लोगों को उन्होंने विकलांग लोगों की मदद की बात समझाई। चन्द मिनटों में हजारों डॉलर सेवा के लिए एकत्र हो गया। हेलेन केलर इस धन को लेकर साहित्यकार विचारक मार्कट्वेन के पास गईं और कहा कि इस धन को भी आप सहायता कोष में जमा कर लीजिये। इतना सुनते ही मार्कट्वेन के मुख से निकला, संसार का अद्भुत आश्चर्य। ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि हेलेन केलर संसार का महानतम आश्चर्य हैं।

स्टीफन होकिंग का नाम भी दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम है। चाहे वह कोई स्कूल का छात्र हो, या फिर वैज्ञानिक, सभी इन्हें जानते हैं। उन्हें जानने का केवल एक ही कारण है कि वे विकलांग होते हुए भी आइंस्टाइन की तरह अपने व्यक्तित्व और वैज्ञानिक शोध के कारण हमेशा चर्चा में रहे। विज्ञान ने आज भले ही बहुत उन्नति कर ली हो, लगभग सभी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ली हो किन्तु वे अभी भी सबसे खतरनाक शत्रु पर विजय पाने में असमर्थ है, वह शत्रु है मनुष्य की उदासीनता। विकलांग लोगों के प्रति जन साधारण की उदासीनता मानवता पर एक कलंक है।

: यह लेखक के निजी विचार हैं)

6 दिसंबर को माता सीता का वरण करेंगे प्रभु श्री राम, जनकपुरी पहुंचेगी बारात

रामलीला से प्रारंभ हुआ श्री राम विवाह महोत्सव, 26 पंजीयन हुए

इटारसी, दोपहर मेट्रो

सामाजिक समरसता को बढ़ावा देकर दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को मिटाने श्री देवल मंदिर काली समिति पुरानी इटारसी पिछले 39 सालों से लगातार श्री राम विवाह एवं निशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन कर रही है। रविवार को रामलीला मंचन से महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस साल 26 से ज्यादा पंजीयन समिति कर चुकी है, विवाह से एक दिन पहले तक वर वधुओं के पंजीयन जारी रहेंगे। इस आयोजन में अब तक 2500 से ज्यादा युगल फेरे ले चुके हैं।

श्री देवल मंदिर काली समिति 40 वें वर्ष में 6 दिसंबर को श्रीराम विवाह और निश्शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन करेगी। इसे लेकर वर-वधुओं के पंजीयन किए जा रहे हैं। साल 1984 में पहली बार राम विवाह एक जोड़े के साथ शुरू हुआ था। राम बोलो इस मंदिर समिति का जयघोष और पहचान है, जहां राम नाम के साथ सारे काम होते हैं। सेवादार जयप्रकाश करिया पटेल ने बताया कि देवल मंदिर के महंत ब्रह्मलीन दामोदर दास और सहारनपुर के महंत ब्रह्मलीन सुंदरदास जी रामायणी की प्रेरणा से साल 1984 में पहली बार राम विवाह एक जोड़े से शुरू हुआ, पहली बारात रामजानकी छोटा मंदिर से निकाली गई थी। दो साल सिर्फ राम विवाह हुए, इसके बाद साधु-संतों की पहल पर एक जोड़े से सामूहिक विवाह की शुरुआत हुई। इस भव्य आयोजन में चित्रकूट, अयोध्या, वृंदावन, ऋषिकेश, ओरछा, सहारनपुर समेत पूरे देश से साधु-संतों, विद्वानों का समागम होता है। द्वारकाधीश बड़ा मंदिर से दूल्हे राजा भगवान राम के साथ भव्य बरात जनकपुरी देवल मंदिर पहुंचती है। यहां हिंदू रीति से राम-जानकी के साथ सभी जोड़ों का विवाह कराया जाता है। समिति के सहयोग से सभी जोड़ों को गृहस्थी का सामान, उपहार, कपड़े एवं अन्य सामग्री भेंट की जाती है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का विवाह श्री पंचमी पर हुआ था, इसे विवाह पंचमी भी कहते हैं। इस वर्ष श्रीराम विवाह महोत्सव एवं निश्शुल्क सामूहिक विवाह उत्सव 6 दिसंबर को होगा।

यह रहेंगे कार्यक्रम

- 2 दिसंबर सोमवार को रात 9 बजे भजन श्रृंखला का आयोजन
- 3 दिसंबर मंगलवार को रात 8 बजे सुंदरकांड पाठ
- 4 दिसंबर बुधवार सुबह 9 बजे महिला मंडल द्वारा रामसत्ता
- 5 दिसंबर गुरूवार सुबह 10 बजे मंडपाच्छादन एवं सत्यनारायण कथा सीताराम कीर्तन
- 6 दिसंबर शुक्रवार सुबह 9 बजे कन्या भोज एवं भंडारा, शाम 7 बजे आध्यात्मिक प्रवचन,
- रात 9 बजे देवी जागरण, रात 10 बजे बारात आगमन एवं स्वागत।
- रात 11 बजे जयमाला एवं प्रीतिभोज, रात 12 बजे पाणिग्रहण संस्कार
- दिसंबर शनिवार सुबह 7 बजे विदाई समारोह।

दुल्हन की तरह सज रही जनकपुरी

देवल मंदिर को जनकपुरी की तरह सजाया जा रहा है। पूरे परिसर में रंगोली सजाई जाएगी, गोबर लेपन किया जा रहा हैं। पुरानी इटारसी की महिलाएं माता सीता और भगवान श्री राम के विवाह की रस्मों में जुट जाएंगी, रसोई घर में स्वादिष्ट व्यंजन तैयार हो रहे हैं। हाइवे से लेकर मंदिर तक विद्युत साज-सज्जा, रंग रोगन, स्वागत तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं। पूरा शहर इस आयोजन का साक्षी बनता है। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। 6 दिसंबर को गोधूलि बेला में श्री द्वारिकाधीश मंदिर से श्री राम जी की बारात पुरानी इटारसी के देवल मंदिर जनकपुरी के लिए प्रस्थान करेगी। भगवान राम की करीब 3 किमी. लंबी बारात में हाथी, घोड़े, बग्गी, दिलदिल घोड़ी, अखाड़े, रामसखियां, बैंड पार्टियां आकर्षण का केंद्र रहती हैं। एक बग्गी में राम दरबार सजाया जाता है, साथ में सभी दूल्हे राजा बारात लेकर जनकपुरी देवल मंदिर बारात लेकर पहुंचते हैं। यहां राजा राम और बारात की अगवानी होती है। मंडप में नवयुगल भगवान राम एवं सीता के साथ एक ही मंडप में फेरे लेते हैं। इस अनूठे आयोजन में देश भर के अखाड़ों से जुड़े साधु-संत एवं विद्वान शामिल होते हैं। जिले भर के हिन्दू सनातनी परिवार इस आयोजन में सहभागी बनते हैं। गांव-गांव से भंडारे के लिए अनाज एवं दानराशि एकत्र की जाती है। समिति पूरी गृहस्थी का सामान, उपहार एवं जेवरात सभी जोड़ों को भेंट करती है।

जनजातीय कार्य विभाग के दो अधीक्षक सेवानिवृत्त, संभाग आयुक्त ने कार्यकाल सराहा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जनजातीय का विभाग में 37 वर्ष सेवा कार्य के बाद श्रीमती अंजलि दुबे मिश्रा तथा ज्योति शुक्ला 30 वर्ष की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्ति हुए. इस अवसर पर जनजातीय विभाग के संभागीय उपायुक्त जेपी यादव सहायक आयुक्त संजय द्विवेदी जिला अधीक्षक संघ के अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित हुए तथा दोनों अधीक्षकों का शाल श्रीफल तथा सहभोज के उपरांत सम्मान किया गया. इस अवसर पर संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ने दोनों अधीक्षकों के कार्यकाल की प्रशंसा की तथा भविष्य में उनके मार्गदर्शन की आवश्यकता पर समय-समय पर उनके मार्गदर्शन का आग्रह भी किया. इस अवसर पर सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉक्टर जेपीएन चतुर्वेदी, भागवत आचार्य पुष्कर परसाई ने भी उद्बोधन दिया. पूर्व सहायक आयुक्त चंद्रकांता सिंह ने भी उदबोधन दिया ।

कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक संघ के अध्यक्ष आर आर तुमराम, वसंत मीणा ,रतन गढवाल,सुब्रत शर्मा, मौली सेबेस्तियना, रक्षा श्रीवास्तव, अंजना चौबे ,कनकलता बडकुर ,सहदेव झरबडे,शालिगराम कीर, आदि सभी उपस्थित रहे. जिले के सभी अधीक्षकों ने दोनों अधीक्षकों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दोनों अधीक्षकों के परिवार के परिजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पंडित गिरीश मिश्रा ने किया।

महिलाओं को कानूनी अधिकार के संबंध में किया जागरूक

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री ललित डेहरिया के निर्देशानुसार 2 दिसंबर सोमवार को जिला प्रशिक्षण केंद्र ,जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महिलाओं को जागरूक किया गया।

विश्व एड्स दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में निकाली गई जागरूकता रैली

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृहविज्ञान स्नात्कोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में महाविद्यालय की रेड रिबन समिति एवम एनएसएस के संयुक्त तत्वधान में विभिन्न गतिविधियों/ प्रतियोगिताओं का संचालन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज युवा पीढ़ी को एड्स के प्रति सतर्कता बरतने एवं लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है, इसलिए उन्हें एड्स होने के कारणों को जानना एवं उनके प्रति सजग रहना तथा लोगों को जागरूक बनाना आपकी जिम्मेदारी है। विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय की छात्राओं ने एड्स की रोकथाम एवं जागरूकता संबंधी नारे लिखकर, पोस्टर बनाए एवं सेल्फी पॉइंट जिसमें एड्स से संबंधित जानकारी दी गई एवं सभी ने सेल्फी लेते हुए लोगों लोगों को जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली। विश्व एड्स दिवस मे मानव श्रृंखला बनाकर छात्राओं द्वारा शपथ ली गई। छात्राओं द्वारा रैली के माध्यम से एड्स दिवस प्रति हम सब ने यह ठाना है एड्स को दूर भगाना है, एड्स है जानलेवा बिमारी, इसे मिटाना हम सब की ज़िम्मेदारी इन्ही नारों के साथ जागरूकता रैली निकली गई जो महाविद्यालय से होती हुई गांधी चौक तक पहुंची। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने, रेड रिबन समिति प्रभारी डॉ. कंचन ठाकुर, कैलाश डोंगरे, डॉ. यशवंत निंगवाल, डॉ. एकता गुप्ता, श्रीमती किरण विश्वकर्मा, अजय तिवारी, रघुवीर सिंह राजपूत, शैलेन्द्र तिवारी एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

कराटे स्टेट प्रतियोगिता में जीनियस प्लेनेट के स्टूडेंट्स ने जीते मेडल

- कराटे स्टेट प्रतियोगिता में जीनियस प्लेनेट स्कूल के खिलाड़ियों को मिले 04 रजत पदक 08 कांस्य पदक

इटारसी, दोपहर मेट्रो

दो दिवसीय स्टेट कराटे चैंपियनशिप में नर्मदापुरम जिले के कराते खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जीनियस प्लेनेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इटारसी के कराते खिलाड़ियों ने जिले को 04 रजत,08 कांस्य पदक दिलवाए है। मध्य प्रदेश कराते एसोसिएशन के द्वारा दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कराते चैंपियनशिप का आयोजन इंदौर पब्लिक स्कूल में करवाया था द्य इस प्रतियोगिता में जीनियस प्लेनेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इटारसी के मुख्य करते प्रशिक्षक रवि साहू सर के नेतृत्व में निष्कर्ष रोकड़े रजत पदक ,भूमि आश्रय रजत पदक, आस्था मंझरिया रजत पदक, अनुश्री राजपूत रजत पादक, अंश शिंदे कांस्य पदक, आराध्या राजपूत कांस्य पदक, सोनाक्षी चौरे कांस्य पदक ,परीक्षित यादव कांस्य पदक, मोइन शाह कांस्य पदक, यति दीवान कांस्य पदक ,अवनी पटेल कांस्य पदक, हर्ष यादव कांस्य पदक ,दीक्षा चौहान कांस्य पदक ,मोहम्मद अरमान सिद्दीकी कांस्य पदक प्राप्त किए द्य जिले को कुल 62 पदक प्राप्त हुएद्य जिसके कारण नर्मदापुरम कराटे एसोसिएशन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ एवं ओवरऑल ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया द्य इन सभी खिलाड़ियों को जीनियस प्लेनेट स्कूल के संचालक मोहम्मद जाफर सिद्दीकी, मनीता सिद्दीकी, स्कूल प्राचार्य विशाल शुक्ला एवं स्कूल स्टाफ ने सभी बच्चों एवं मुख्य प्रशिक्षक रवि साहू को बधाई दी ।

मालवीय बने गौड़ ब्राह्मण महासभा (संपूर्ण भारत) के प्रदेश अध्यक्ष

इटारसी, दोपहर मेट्रो

श्री गौड़ ब्राह्मण महासभा (संपूर्ण भारत) के चुनाव रविवार को खंडवा स्थित समाज की धर्मशाला में आयोजित किए गए। जिसमें इटारसी से पत्रकार विनय मालवीय को सर्व सम्मति से प्रदेश अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। श्री मालवीय के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर संरक्षक गया प्रसाद मालवीय इटारसी, महेश मालवीय भोपाल, आरसी मालवीय भोपाल, विनोद मालवीय भोपाल, राधेश्याम मालवीय इंदौर, राजीव मालवीय खंडवा, इटारसी अध्यक्ष प्रेम नारायण मालवीय, सुरेश मालवीय ष्छद्म, सुभाष मालवीय इटारसी, त्रिलोक मालवीय इटारसी, राम कुमार मालवीय मुन्नू, इटारसी पत्रकार जम्मू सिंह उप्पल, दिनेश थापक, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे, अनिल मिहानी, मुकेश गांधी, सुधांशु मिश्रा, देवेंद्र सोनी, पुनीत दुबे, शिव भारद्वाज, बीएल श्रीवास्तव, पुनीत मालवीय, अरविंद शर्मा, इंद्रपाल सिंह, राम बाबू अहिरवार, भूपेंद्र विश्वकर्मा, देवेंद्र तिलोटिया, राजकुमार बाबरिया, शैलेश जैन, रोहित नागे, प्रदीप तिवारी, जितेंद्र ओझा,हरीश मालवीय, दिलीप मैना सहित प्रदेश ओर देश से पधारे सामाजिक बंधुओं ने नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष विनय मालवीय को बधाई दी।

मेघा बंसल को स्पोर्ट्स क्लब की जिला अध्यक्ष मनोनीत किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने नर्मदापुरम जिला स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष पद पर अनुविभागीय अधिकारी मेघा बंसल को मनोनीत किया.

क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने बताया मेघा बंसल बैडमिंटन की उत्कृष्ट खिलाड़ी है उनके नेतृत्व में स्पोर्ट्स क्लब निश्चित ही और ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ेगा. स्पोर्ट्स क्लब की 33 वीं अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता जबलपुर में आयोजित हो रही है. नर्मदा पुरम की टीमों के चयन हेतु तीन एवं चार दिसंबर को ट्रायल रखे गए हैं. मेघा बंसल की नियुक्ति पर महेंद्र ओगले हेमंत अजनेरिया अरविंद बस्तरबार दिलीप भूरिया दातार सिंह चौहान अनुराग पटेल प्रभु दयाल कुर्मी विक्रांत मकवाना रीवा शंकर संतौरे राकेश दुबे ने जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया.

मेट्रो एंकर अभियान में लगातार बढ़ रही लोगों की संख्या, साथ ही लोगों को भी स्वच्छता के प्रति किया जा रहा जागरूक

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने सेठानी घाट पर चलाया साफ सफाई अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने सेठानी घाट पर साफ सफाई अभियान चलाकर लोगों को साफ सफाई के लिए जागरूक किया.अभियान में लोगों की लगातारसंख्या बढ़ रही है.

कायस्थ महासभा का यह सफाई अभियान निरंतर चल रहा है और आगे भी चलता रहेगा। इस मौके पर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष, नीतू श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष नर्मदापुरम , अभय वर्मा उपाध्यक्ष नगर पालिका नर्मदा पुरम , श्रीमती ज्योति वर्मा , प्रीती खरे , ख्याति सक्सेना, उषा वर्मा, अश्वनी वर्मा, रश्मि वर्मा, शीतल श्रीवास्तव, सारिका सक्सेना सहित अनेक पदाधिकारी और सामाजिक लोग मौजूद थे।

महासभा के जिला अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि साफ सफाई का हमारा उद्देश्य है मां नर्मदा को स्वच्छ बनाना है यह हमारी जीवन दायिनी है। हमने लोगों से कहा की नर्मदा में कुछ ना डालें इससे नर्मदा प्रदूषण बढ़ता है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि इस अभियान चलाने से घाट पर साफ सफाई की जा रही है साथ ही लोगों को भी स्वच्छता को लेकर जागरूक किया जा रहा है। श्रीवास्तव ने लोगों से कहा कि नर्मदा में स्नान के दौरान साबुन, कास्टिक सोडा का इस्तेमाल न करें और नर्मदा में कचरा कूड़ा ना डालें।महासभा की जिला अध्यक्ष नीतू श्रीवास्तव ने भी इस अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए आम लोगों से अपील की है । उन्होंने कहा कि इस अभियान को हम और आगे बढ़ाएंगे । उन्होंने कहा कि नर्मदा में गंदगी न डालें मां नर्मदा को स्वच्छ रखने के लिए हम सबका कर्तव्य। नर्मदा में किसी भी प्रकार की गंदगी नारियल की मूंछ और माला जैसे कई गंदगी लोग नर्मदा में डालकर चले जाते हैं । नर्मदा में किसी भी प्रकार की चीजें नहीं डालना चाहिए। मां नर्मदा को स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है।

नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने नागरिकों से कहा कि इस सफाई अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए हर जागरूक व्यक्ति की महती भागीदारी है । हम सब लोग मिलकर शहर को स्वच्छ और साफ सफाई में आगे बाढ़ चलकर हिस्सा लेना है। उन्होंने कहा कि सेठानी घाट सहित अन्य घाटों पर समाज द्वारा यह साफ सफाई अभियान चलाया जा रहा है यह बहुत ही पहल है। कायस्थ समाज शहर के आसपास पौधा रोपण करने का भी कार्य करेगी। महासभा की पदाधिकारी ज्योति वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा की सफाई हमारी जिम्मेदारी है। हमें इन्हें साफ रखना है जिससे इनका जल स्वच्छ साफ और कोमल रहे।

प्रखर समाजसेवी और शिक्षाविद स्व. सीमा सक्सेना को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पदाधिकारियों ने उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी । पदाधिकारियों ने कहा कि सीमा सक्सेना प्रखर समाजसेवी और शिक्षाविद थीं। उन्होंने कई लोगों को पढ़ाया जो आज प्रदेश ही नहीं देश में अपना नाम रोशन कर रहे हैं ।

उनकी शिक्षा जगत में अपनी एक अलग पहचान थी । कॉलेज में वर्षों से उन्होंने प्रोफेसर के पद पर कार्य किया। उनके आकस्मिक निधन से समाज के अलावा शिक्षा जगत ने भी एक अच्छी शिक्षिका को खोया है। हम उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

शहर में हो रहे कामों को देखने, देर रात अधिकारियों के साथ निकले विधायक शर्मा, मुक्तिधाम में गंदगी पर जताई नाराजगी, साफ-सफाई के दिए निर्देश

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

नगर में हो रहे निर्माण तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए रविवार की देर रात्रि में विधायक उमाकांत शर्मा एसडीएम हर्षल चौधरी, एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी, सीएमओ राम प्रसाद साहू तथा प्रशासनिक अमले के साथ शहर की जमीनी हकीकत देखने के लिए पहुंचे उन्होंने बासौदा नाके वाले मुक्तिधाम पर गंदगी मिलने पर नाराजगी जताते हुए तत्काल यहां पर साफ सफाई के साथ लाइट लगाने अर्थी को रखने के लिए चबूतरा आदि का निर्माण करवाने के नगर पालिका अधिकारी राम प्रसाद साहू को निर्देश दिए।

नवीन बस स्टैंड पर स्थित सब्जी मंडी में एक करोड़ से अधिक की लागत से हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण करके सख्त लहजे में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य समय सीमा के अंदर पूर्ण करने के लिए निर्देश ठेकेदार को दिए। सब्जी मंडी परिसर में सीसी सड़क के साथ नाले का निर्माण होन है। इसके अलावा यहां पर दुकानदारों तथा राहगीरों के लिए सुलभ कॉम्प्लेक्स तथा सब्जी बैचेन वालों के लिए बड़े चबूतरों एवं टीन शेड की दुकानों का भी कार्य होना है। विधायक ने कृषि उपज मंडी के निर्माणाधीन एंडरसन गेट का अवलोकन करते हुए कहा कि इसका काम ऐसा हो कि भविष्य में किसी भी को भी परेशानी ना हो आसानी से ट्रक निकलते रहे । इसके बाद उन्होंने बलेजा पेट्रोल पंप की सड़क का अवलोकन किया चौराहे पर यात्रियों की सुविधा के जल्दी ही यात्री प्रतीक्षालय निर्माण कराया जाएगा।

लोगों ने विधायक श्मशानघाट में अंधेरा और गंदगी के बारे में विधायक शर्मा को जानकारी दी इसके बाद मुक्तिधाम परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए उन्होंने नपा के प्रभारी सीएमओ रामप्रकाश साहू को तत्काल परिसर की साफ सफाई, करने के साथ यहां पसरे अंधेरे को दूर करने एवं रात के समय अंतिम संस्कार में होने वाली असुविधा से बचने के लिए प्रकाश व्यवस्था, करने के निर्देश प्रदान किए।

उन्होंने यहां जीर्ण शीर्ण हालात में अंतिम संस्कार वाले चबूतरे ओर टूटे फूटे तीन शेड के स्थान पर पक्का शेड आदि निर्माण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया इसके बाद कायाकल्प योजनांतर्गत निर्माणाधीन सड़क का अवलोकन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, मंडल अध्यक्ष पारस तारण आदि मौजूद थे।

कलेक्टर के निर्देश फिर भी कार्रवाई के नाम पर रस्म अदायगी कर रहा प्रशासन

नगर के बीचों-बीच काटी जा रहीं अवैध कॉलोनियां, जिम्मेदार मौन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जिलेभर में अवैध कालोनियों को लेकर लगातार कार्रवाई देखने को मिल रही है, लेकिन सिरोंज में इन भूमाफियाओं पर कार्रवाई करने से प्रशासन बचता नजर आ रहा है, हालांकि विगत दिवस पूर्व शहर से बाहर चार अवैध कॉलोनीयों के मुख्य द्वार को धराशाई कर प्रशासन ने रस्म अदाएगी की कार्रवाई की है, लेकिन शहर के बीचों बीच दर्जनों की तादाद में कट रही अवैध कॉलोनीयां अभी भी रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अब इस पर प्रशासन की नजर नहीं है या फिर जानबूझकर अनदेखा किया जा रहा है। जबकि विदिशा कलेक्टर अवैध कॉलोनी को लेकर लगातार सक्रिय हैं, जिसके कारण जिलेभर में कार्यवाहियां देखने को मिल रही है। लेकिन सिरोंज प्रशासन इस अभियान में भी गंम्भीर नहीं दिख रहा है, यही वजह है कि छोटी-मोटी कार्रवाई कर वाहवाही लूटने का कार्य कर रहा है। लेकिन हकीकत देखें तो अभी तक कोई बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है, जिसके कारण प्रशासन पर मिली भगत आरोप लग रहे हैं। जानकारी के अनुसार सिरोंज शहर सहित आसपास कुल 56 कॉलोनीयां काटी जा रही है, जिनमें से नपा के पास आठ कालोनियां वैध होने की जानकारी है। तो वहीं तीन कालोनियां जल्द ही संपूर्ण दस्तावेजों के साथ वैध होने वाली है, जिन्होंने कागजी तैयारी पूरी करा ली है। लेकिन बची बाकी 45 कालोनियां अभी भी अवैध है। हालांकि नपा की माने तो 27 ऐसी अवैध कॉलोनी है जो 2016 से पूर्व की है जिन्हें एक समय सरकार ने वैध करने के लिए निर्देशित किया था जिनकी जांच पड़ताल भी हो चुकी है लेकिन किसी कारणवश वैध होने की प्रक्रिया अभी भी

अटकी हुई है। यही वजह है कि शहर के बीचो-बीच दर्जनों की तादात में काटी गई अवैध कालोनियां रहवासियों के लिए परेशानी का सबक बन रही हैं।

नगर के बीचों-बीच स्थित छतरी चौराहे क पास

विगत वर्षों पूर्व ग्रीन सिटी नाम से एक अवैध कालोनी काटी गई थी। जिसमें आज भी मूलभूत सुविधाएं नहीं है ऐसी अनेक कालोनियां हैं, जहां लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हो रहे हैं। लेकिन कार्रवाई नहीं होने से यही कॉलोनाइजर अब ग्रीन सिटी कॉलोनी के सामने वाली सड़क पर पुनः दूसरी अवैध कालोनी काटने में लग गया है जहां पर मुरम के रोड डालकर, बैनर पोस्टर लगाकर कॉलोनी काटने का खेल प्रारंभ हो गया है इस गोरख धंधे में अब धीरे-धीरे लोग हंसाते जाएंगे और बाद में पूर्व की तरह यहां भी लोग परेशान होते रहेंगे। जबकि प्रशासन को इस पर अभी कार्रवाई कर विराम लगाना चाहिए लेकिन कार्रवाई होती नहीं दिख रही है।

टीएनसीपी की मान्यता आठ के पास अवैध कॉलोनी भरमार

कॉलोनी काटने के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से अनुमति लेना जरूरी है। जबकि कॉलोनी बनने में अनुमतियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सर्वप्रथम टीएनसीपी की ही होती है। सबसे पहले लैंड यूज का बदलाव भी टीएनसीपी से होता है। नगर में कई एग्रीकल्चर लैंड यूज की भूमियों को बिना कमर्शियल या रेसीडेंशियल में कन्वर्ट कराए ही प्लॉटिंग की जा रही है। जानकारी के अनुसार नगर में सिर्फ आठ कॉलोनी ही ऐसी है जिनके पास प्रशासन की मान्यता अनुरूप कालोनियों काटने का अधिकार नगर पालिका परिषद द्वारा दिया गया है। लेकिन नगर में अभी भी अर्धशतक के करीब अवैध कॉलोनियां हैं। जिनमें बिजली, पानी, सड़क, नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए रहवासी वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। इन भू माफियाओं के इस गोरखधंधे की वजह से लोगों की मेहनत कर कमाई गई राशि को यह बट्टा लगाकर मोटी रकम कमा रहे हैं।

10 से लेकर 30 वर्ष पहली काटी गई कालोनी, मूलभूत सुविधाएं आज भी नदारद

नगर के लिंक रोड स्थित आनंद नगर कॉलोनी लगभग 30 वर्ष पूर्व काटी गई थी। अवैध कॉलोनी होने की वजह से आज भी इसमें बिजली, पानी, सड़क व नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए रहवासी संघर्ष कर रहे हैं कई बार सुविधाओं के लिए ज्ञापन भी दे चुके हैं। इसके अलावा क्षत्रि चौराहा स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी लगभग 15 वर्ष से काटी जा रही है, यहां भी नाली, सड़क, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं अब तक नहीं पहुंच पाई हैं।

इसी तरह के हालात बासौदा नाका स्थित कॉलोनी के हैं जो लगभग 12 वर्ष पूर्व बनाई गई थी जहां आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए रहवासी परेशान ही हो रहे। यह स्थिति सिर्फ चंद कालोनियों की ही नहीं है। नगर में ऐसी अनेकों अवैध कालोनियां हैं जहां मूल सुविधाओं के लिए लोग परेशान हो रहे हैं लेकिन सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जबकि यह भू माफिया नगर पालिका परिषद सहित इन अवैध कालोनियों में रह रहे लोगों को चपत लगाकर खूब वारे न्यारे कर रहे हैं यही कारण है कि आज ढूंढने पर हर मोहल्ले में कॉलोनाइजर मिल जाएंगे।

इनका कहना है

अवैध कॉलोनियों का मकड़जाल नगर के अंदर एवं बाहर मिलीभगत के चलते खूब फल फूल रहा है। जिसकी वजह से हम जैसे लोग परेशान हो रहे हैं। मैं स्वयं ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहता हूं 11 वर्ष से अधिक का समय हो गया आज भी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। सुविधाओं के लिए कई बार प्रशासन को ज्ञापन भी दे चुके हैं। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती।

-भूपत सिंह, रहवासी ग्रीन सिटी कॉलोनी

हमें वरिष्ठ अधिकारियों से जो भी दिशानिर्देश मिलते हैं, हम लगातार कार्रवाई करते हैं। अभी भी कई अवैध कॉलोनीयों पर कार्रवाई की गई है, आगे भी जारी रहेगी।

-रामप्रकाश साहू प्रभारी सीएमओ नपा

विधायक शर्मा के प्रयासों से राधाकुंड पर हुआ सड़क के निर्माण का कार्य प्रारंभ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार राधाकुंड मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित सड़क का निर्माण कार्य सोमवार से प्रारंभ हुआ। करीब साढ़े पंद्रह लाख रुपए से बनने वाली यह सड़क राधा कुंड से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग स्थित विद्युत सबस्टेशन तक बनाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राधा कुंड परिसर नेमा समाज सहित संपूर्ण सनातन समाज का ऐतिहासिक प्राचीन धार्मिक स्थल है। पूर्व में यहां जनसहयोग एवं विधायक निधि से अनेक निर्माण कार्य किए गए हैं इसी श्रृंखला में सकल नेमा समाज ने मुख्य मार्ग से सीधे राधा कुंड को जाने वाली सड़क की मांग विधायक उमाकांत शर्मा से की गई थी। करीब एक वर्ष पूर्व इस सड़क का भूमिपूजन भी एक कार्यक्रम के दौरान किया गया था परन्तु नगर पालिका की तकनीकी त्रुटियों से यह सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका था। विगत दिनों विधायक उमाकांत शर्मा ने समीक्षा बैठक में नपा प्रशासन को फटकार लगाते हुए शीघ्र ही इस कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए थे। करीब साढ़े चार सौ मीटर बनने वाली इस सड़क के निर्माण हो जाने से अब श्रद्धालु मुख्य मार्ग से सुगमतापूर्वक सीधे राधाकुंड को पहुंच सकेंगे। पहाड़ी पर बन रहे इस मार्ग के बन जाने के बाद चार पहिया वाहन भी आसानी से मंदिर तक पहुंच जाएंगे। सोमवार को पूर्व पार्षद सचिन शर्मा के साथ नेमा समाज पंचायत के पदाधिकारियों ने इस सड़क की गुणवत्ता एवं सुविधा को लेकर अवलोकन करते हुए निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने हेतु विधायक शर्मा का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामबाबू नेमा, राजीव नेमा, मनोज नेमा, मनीष नेमा, मनमोहन नेमा, ऋषि नेमा, मूलचंद नेमा, गोविंद नेमा आदि के साथ समाजजन मौजूद रहे।

सिरोंज। पालीवाल कॉलोनी में स्थित ब्रज मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र संघ का गठन हुआ। गठन की प्रक्रिया स्कूल संचालक पंडित प्रशांत पालीवाल द्वारा पूर्ण करते हुए जूनियर छात्र संघ का शपथ ग्रहण कराया गया ब्रज मेमोरियल हायर सेकेंडरी में मे जूनियर छात्र संघ का गठन किया गया पहली बार किया गया है। जिसके चलते छोटे-छोटे बच्चों मैं काफी उत्साह दिखा आत्मनिर्भर भारत बनने में अपना योगदान दे सकें छात्र संघ के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं है।

कार्रवाई के बाद किसानों को निर्धारित दर पर बेचा यूरिया

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिरोंज। इस समय डीएपी और यूरिया खाद की किल्लत मची हुई है जिस वजह से कई प्राइवेट दुकानदारों के द्वारा खुलेआम अधिक दामों में इसको बेचने का काम किया जा रहा था 267 की बोरी 500 बेचने का काम किया जा रहा था। किसानों हित में शनिवार को एसडीएम ने छापा मार कार्रवाई करते हुए एक दुकान को सील करवा दिया जिसका असर था कि सोमवार को दो दुकानों पर यूरिया खाद आया तो यहां पर किसान को सरकार द्वारा निर्धारित की गई कीमत पर ही यूरिया खाद बेचने का कार्य इन दुकानदारों के द्वारा

किया गया। एसडीएम ने नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी के साथ अपने अमले को भी इन दुकानों पर तैनात किया । वही सुबह से ही खाद लेने के लिए किसानो की भीड़ लगी हुई थी। इसी तरह सरकारी गोदाम पर तो सुबह 7 से ही बड़ी मात्रा में किसानों यहां पहुंच गए थे। इनकी भीड़ को देखकर बड़ी संख्या में पुलिस कमी भी यहां पर मौजूद था जिनकी मौजूदगी में खाद का वितरण किया गया। इस साल तो पिछले साल की तुलना में ज्यादा ही खाद को लेकर किल्लत हो रही हैं। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया की दो दुकानों पर यूरिया खाद आया था यहां से शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही यूरिया खाद किसानों को वितरित करवाया ।

सिरोंज बंद को थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ ने दिया समर्थन, 4 को मंडी की नीलामी में हिस्सा नहीं लेंगे

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिरोंज। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा है अत्याचार के विरोध में 4 दिसंबर को हिंदू संगठन ने सिरोंज बंद का ऐलान किया है। उसके समर्थन में सोमवार को थोक आनज तिलहन व्यापार संघ ने प्रभारी मंडी सचिव को आवेदन देते हुए कहा कि 4 दिसंबर को हम व्यापारी डाक नीलामी में भाग नहीं लेंगे क्योंकि पड़ोसी देश बांग्लादेश में चरमपंथी मुस्लिम संगठनों द्वारा हमारे निर्दोष हिंदू भाईयों पर

जानलेवा हमला किया जा रहा हैं। जिससे अनेकों हिन्दुओं की मौत आये दिन हो रही है। बांग्लादेश की सरकार मूकदर्शक की तरह यह कत्लेआम और मंदिरों पर हमले देख रही जो कि निंदनीय है। बांग्लादेश की सरकार हमारे हिन्दू भाईयों की सुरक्षा सुनिश्चित करें एवं भारत की सरकार इस कत्लेआम पर विराम लगाने की पहल करें इस हेतु थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ हिंदू समाज के समर्थन मे 4 दिसंबर को सिरोंज मंडी बंद करके अपना विरोध व्यक्त करेंगे। इस दौरान थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव, राजेश मित्तल, कमलेश जैन, राजेश जैन, लोकेश जैन, शरद भार्गव सुनील गोयल, रामु राठौर, किशोरी साहू आदि व्यापारी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर फर्जीवाड़ा करने वाले हुए सक्रिय, सोयाबीन खरीदी में गड़बड़ियां हो रहीं उजागर

गुणवत्ताहीन सोयाबीन खरीदने वाले न्यू किसान वेयरहाउस केंद्र प्रभारी रंजीत सिंह को भी हटाया

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

परसौर पैक्स समिति के द्वारा न्यू किसान वेयरहाउस इकोदिया में उपार्जन का कार्य संपादित करने के कार्य करने में केंद्र प्रभारी रणजीत सिंह की लापरवाही भी उजागर होने पर डीआरडीओ के द्वारा तत्काल प्रभाव से इनको हटा के आदेश दिए थे। इसके बाद पैक्स समिति ने उपार्जन का कार्य अपने हाथों में लेते हुए उपार्जन का कार्य पैक्स समिति ने अपने कर्मचारियों महेंद्र रघुवंशी को उपार्जन के लिए केंद्रा प्रभारी नियुक्त किया है। इसके संबंध में समिति के द्वारा आदेश भी जारी कर दिया है। यहां पर सोयाबीन खरीदी में गड़बड़ी उजागर होने के बाद कार्रवाई प्रारंभ हुई है। 28 नवंबर को डीआरडीओ और नायब तहसीलदार विकास अग्रवाल ने केंद्र का निरीक्षण किया था उस समय केंद्र पर मिट्टी युक्त घटिया क्वालिटी का सोयाबीन डेढ़ सौ बोरी को खरीदने का काम किया था मिट्टी युक्त सोयाबीन को पास करने वाले सर्वयर को उसी दिन हटा दिया था जांच के बाद खरीदी केंद्र प्रभारी की भी गंभीर लापरवाही सामने आने पर बदल दिया है। दूसरी और जिस व्यक्ति द्वारा इन सबसे मिली भगत

करके घटिया क्वालिटी सोयाबीन ठिकाने लगाने का काम किया जा रहा था उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए साथ ही यहां पर पहले खरीदे गए सोयाबीन की गुणवत्ता की जांच की जाए तो और भी गड़बड़ियां सामने आ सकती है। समर्थन मूल्य पर बाजार से सोयाबीन खरीद कर ठिकाना लगाने का काम दलाल किस्म के किसानों के द्वारा किया जाता है चाठोली का एक वीडियो भी पिछले दिनों वायरल हुआ था जिसमें एक फर्जी किसान घटिया क्वालिटी का सोयाबीन यहां पर ठिकाने लगाने के लिए सर्वयर दवा बनाने के लिए फांसी का ड्रामा करने का वीडियो वायरल हो गया था इसके बाद सर्वयर ने गड़बड़ी करने वाले फर्जी किसान की पोल वीडियो बनाकर खोल दी थी इस समय समर्थन मूल्य पर सोयाबीन तुलवाने के लिए मारामारी है रही है। सही किसानों को भी फसल तुलवाने के लिए एड़ी चोटी जोर भी लगाना पड़ रहा है कई जगह फसल पास करने के लिए किसानों को परेशान किया जा रहा है तुलवाने के लिए भी वसूली की जा रही है। क्योंकि मंडी में समर्थन मूल्य से नीचे सोयाबीन के रेट किसानों को मिलना है इसलिए अधिकांश के साथ समर्थन मूल्य परी फसल बेचना चाह रहे हैं। इसी बीच गड़बड़ी करने वालों दलाल भी अपना सोयाबीन ठिकाने लगाना चाहते हैं इन्होंने पहले काम कीमत में सोयाबीन खरीद लिया उसको महंगे दामों पर बेचना चाहते हैं। दूसरी और प्रशासन इस बार फूंक फूंक कर कदम रख रहा है कि जिले की कमान अच्छे कलेक्टर के हाथों है ।इनके द्वारा हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है शिकायत मिलने पर तत्काल करवाने के निर्देश दिए हैं। वही एसडीएम हर्षल चौधरी भी केंद्रो पर स्वयं भी जा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को भी लगा रखा है। साथ ही कलेक्टर रोशन सिंह के द्वारा जिले के अधिकारियों को भी निरीक्षण के लिए लगाया है।

जीत का जश्न...

मेलबर्न रेनेगेड्स ने जीता खिताब

बिग बैश लीग के फाइनल में ब्रिसबेन हीट को सात रन से हराया

मेलबर्न, एजेंसी. मेलबर्न रेनेगेड्स ने यहां खेले गए महिला बिग बैश लीग टी-20 के फाइनल में ब्रिसबेन हीट को डीएलएस नियम के आधार पर सात रन से शिकस्त दी और पहली बार खिताब जीत लिया। रेनेगेड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 141 रन बनाए। ब्रिसबेन की पारी शुरू होने से पहले बारिश आ गई और उसके बाद उसे 12 ओवर में 98 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। लेकिन टीम छह विकेट पर 90 रन ही बना सकी।

केविन की शानदार हैट्रिक से ब्रेंटफोर्ड ने लीस्टर को दी मात

लंदन. जर्मनी के 23 वर्षीय खिलाड़ी केविन शेड्स की हैट्रिक से ब्रेंटफोर्ड ने लीस्टर सिटी को 4-1 से मात दी। केविन इंग्लिश प्रीमियर लीग में हैट्रिक लगाने वाले जर्मनी के चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले, जुर्गेन किलिंस्मन ने 1998, फ्रेडी बोबिक ने 2002 और आद्रे स्कलर ने 2014 में हैट्रिक लगाई थी। केविन ने मैच के 29वें, 45वें और 59वें मिनट में गोल दागे। लीस्टर सिटी को घर से बाहर खेले गए 15 मैचों में 10 में हार मिली।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अब पिंक बॉल से होगा अगला मैच

डे-नाइट टेस्ट के इतिहास में अभी तक कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं हुआ

कैनबरा. एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से डे-नाइट खेला जाएगा। पिंक बॉल से खेले जाने वाला यह मैच दोनों टीमों के लिए बेहद अहम है क्योंकि भारतीय टीम की सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर नजरें होगी जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया पलटवार करना चाहेगा। यदि पिंक बॉल से खेले गए टेस्ट मैचों के रेकॉर्ड पर नजर डाली जाए तो परिणाम निकलने की सौ फीसदी गारंटी है। पिंक बॉल से अभी तक एक भी मैच ड्रॉ नहीं खेला गया है। पिंक बॉल का खौफ बल्लेबाजों पर इस कदर रहता है कि ज्यादातर मैच सिर्फ चार दिन में खत्म हो जाते हैं। बताया गया कि डे-नाइट टेस्ट मुकाबले सिर्फ दो दिन में खत्म हुए हैं। बल्लेबाजों ने डे-नाइट टेस्ट में शतक ठोके, लाबुशैन के 4 शतक लगा चुके। डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम का रेकॉर्ड सबसे शानदार है। कंगारू टीम ने सर्वाधिक 12 टेस्ट खेले है। इसमें 11 जीते जबकि सिर्फ एक हारा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को यह हार इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ झेलनी पड़ी थी।

टीम इंडिया दूसरी सबसे सफल टीम

पिंक बॉल से भारतीय टीम का रेकॉर्ड भी काफी अच्छा है और उसने ऑस्ट्रेलिया के बाद सर्वाधिक तीन टेस्ट मुकाबले जीते हैं। टीम इंडिया ने अब तक कुल चार डे-नाइट टेस्ट खेले हैं और तीन जीते जबकि एक हारा है। टीम इंडिया को यह हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2020 में एडिलेड टेस्ट में मिली थी। इंग्लैंड टीम के नाम डे-नाइट टेस्ट मैच में सबसे अधिक पांच डे-नाइट टेस्ट मैच हारने का रेकॉर्ड है। इंग्लैंड ने सात मैच खेले हैं और दो जीते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच छह दिसंबर से एडिलेड के एडिलेड ओवल स्टेडियम में डे-नाइट टेस्ट मैच खेला जाएगा। डे-नाइट टेस्ट को पिंक बॉल टेस्ट भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें लाल की जगह पिंक बॉल से मुकाबले होते हैं। भारतीय समयानुसार यह मैच सुबह साढ़े नौ बजे से शुरू होगा। पिछले नौ साल में 22 डे-नाइट टेस्ट खेले गए हैं और सभी के नतीजे निकले हैं। इसमें से 73 फीसद मैच चार या इससे कम दिन में ही खत्म हो गए। 22 में से सिर्फ छह टेस्ट 5 दिन तक चला, जबकि 16 टेस्ट मैचों के नतीजे चार या इससे कम दिन में ही आ गए।

आज 7वीं बाजी में गुकेश और लिरेन की निगाहें जीत पर

सिंगापुर, एजेंसी. भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और गत चैंपियन डिंग लिरेन मंगलवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप के सातवें दौर में जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य लगातार तीन बाजियां ड्रॉ खेलने के बाद जीत हासिल करना होगा। शतरंज के कई जानकारों की नजर में खिताब के प्रबल दावेदार 18 वर्षीय गुकेश अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उन्होंने अभी तक किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझा है। दोनों खिलाड़ी अभी तीन अंक लेकर बराबरी पर हैं।

बैडमिंटन: फाइनल में चीन की वू लुओ को दी शिकस्त

सिंधू तीसरी बार सैयद मोदी टूर्नामेंट में बनीं चैंपियन, पहली बार एकल खिताब जीता

लखनऊ. एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय महिला शटलर पीवी सिंधू ने दो साल का खिताबी सूखा रविवार को खत्म कर दिया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले गए सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीता। सिंधू ने फाइनल में चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से शिकस्त दी। सिंधू ने जुलाई 2022 के बाद पहली बार महिला एकल खिताब जीता है।

साइना की बराबरी : पीवी सिंधू ने सैयद मोदी टूर्नामेंट में तीसरी बार महिला एकल खिताब जीता है। इसके साथ ही उन्होंने हमवतन खिलाड़ी साइना नेहवाल के सर्वाधिक तीन बार चैंपियन बनने के रेकॉर्ड की बराबरी कर ली। सिंधू ने यहां 2017 और 2022 में भी खिताब जीता था।

सैयद मुश्ताक अली टी-20

मप्र को 6 विकेट से दी शिकस्त अभिजीत ने लगाया अर्धशतक

सौराष्ट्र. एजेंसी

अभिजीत तोमर के अर्धशतक से राजस्थान ने रविवार को सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश को 22 गेंद शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। ग्रुप-ए के इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य प्रदेश ने आठ विकेट पर 139 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 16.2 ओवर में चार विकेट पर 143 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। राजस्थान की टूर्नामेंट में यह लगातार पांचवीं जीत है। राजस्थान की जीत के हीरो सलामी बल्लेबाज अभिजीत तोमर रहे, जिन्होंने 42 गेंदों में नाबाद 66 रन की शानदार पारी खेली। प्लेयर ऑफ द मैच बने अभिजीत ने तीन चौके और पांच छक्के लगाए।

हिमाचल से जीती दिल्ली

दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश को ग्रुप-सी मैच में 5 विकेट से हराया। हिमाचल ने आठ विकेट पर 145 रन बनाए। दिल्ली ने 14.5 ओवर में 5 विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कंगना ने देखी 'द साबरमती रिपोर्ट', बोलीं- चिताओं की आग पर राजनीतिक रोटियां सेकी

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट इन दिनों हर जगह चर्चा का विषय बनी हुई है। विक्रांत मैसी की फिल्म को अब कंगना रनौत ने भी देखा है और फिल्म को लेकर अपना एक बयान जारी किया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अभिनेत्री से राजनेता बनीं कंगना रनौत ने भी बाकी सभी की तरह बहुचर्चित और कई विवादों से घिरी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट देखी।

दिल्ली के संसद पुस्तकालय भवन के बालयोगी ऑडिटोरियम में उनकी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। फिल्म देखने के बाद, उन्होंने इसे बहुत महत्वपूर्ण बताया और ऐतिहासिक घटनाओं के फिल्मांकन के लिए निर्माताओं की सराहना की। कंगना के अनुसार, यह फिल्म देश के इतिहास पर प्रकाश डालती है, पिछली सरकार द्वारा कथित तौर पर छिपाए गए तथ्यों को उजागर करती है और इसमें शामिल राजनीति को दर्शाती है। एएनआई से बात करते हुए, कंगना ने कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्म है... यह हमारे देश का इतिहास है और पिछली सरकार ने लोगों से तथ्य छिपाए थे।

फिल्म दिखाती है कि कैसे लोगों ने उस समय ऐसी गंभीर स्थिति में राजनीति की। स्क्रीनिंग के बाद, पीएम ने फिल्म में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए कलाकारों और क्रू की प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा, द साबरमती रिपोर्ट की स्क्रीनिंग में एनडीए के साथी सांसदों के साथ शामिल हुआ। मैं फिल्म के निर्माताओं को उनके प्रयास के लिए सराहना करता हूं।

गोधरा ट्रेन हादसे की दुखद घटनाओं पर आधारित है फिल्म

स्क्रीनिंग में फिल्म के सभी कलाकार और क्रू मौजूद थे, जिसमें मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी, ऋद्धि डोगरा, निर्देशक धीरज सरना और निर्माता एकता कपूर का प्रतिनिधित्व करने वाले अनुभवी अभिनेता जीतेंद्र शामिल थे। विक्रांत मैसी की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 2002 के गोधरा ट्रेन हादसे की दुखद घटनाओं पर आधारित है।

पिता फिरोज की फिल्म 'कुर्बानी' को बनाएंगे फरदीन

अगले साल फरदीन खान फिल्म 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार के साथ कॉमेडी करते हुए नजर आएंगे। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि वह अपने पिता फिरोज खान की फिल्म 'कुर्बानी' को लेकर कुछ प्लान बना रहे हैं। फरदीन खान बॉलीवुड में लंबे समय से अभिनय कर रहे हैं। बीच में वह ड्रग्स की बुरी आदत का शिकार हुए। अब वह इस आदत को छोड़ चुके हैं। अब वह अपने करियर को दोबारा से ऊंचाइयों पर लेकर जाना चाहते हैं। इस साल वह हीरामंडी और खेल खेल में जैसी फिल्मों में नजर आए। अगले साल उनकी एक फिल्म हाउसफुल 5 आएगी। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और फिल्मों को लेकर एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने अपने पिता फिरोज खान की एक हिट फिल्म 'कुर्बानी' को दोबारा बनाने को लेकर भी खुलासा किया। फरदीन ने किया फिल्म 'कुर्बानी' को लेकर खुलासा मैशबेल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में फरदीन कहते हैं, 'कुर्बानी बनाने की बात हमेशा से मेरे दिमाग में रही है। हो सकता है कि इसका प्रीक्वल बन जाए या हो सकता है कि सीक्वल बन जाए। स्टार कास्ट को लेकर भी उन्होंने कहा कि कई लोगों लीड रोल के लिए मेरी पहली पसंद हैं लेकिन उनके बारे में अभी कुछ नहीं बता सकता हूं।'

'स्त्री 2' की सफलता के बाद श्रद्धा ने किराये पर लिया आलीशान घर

श्रद्धा कपूर ने अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 की सफलता के बाद मुंबई के जुहू इलाके में आलीशान अपार्टमेंट किराए पर लिया है। इस घर के लिए वह तगड़ा किराया भी दे रही हैं। श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 की सफलता का आनंद ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई के जुहू इलाके में छह लाख रुपये प्रति माह पर एक आलीशान अपार्टमेंट किराए पर लिया है। 3928.86 वर्ग फीट का यह अपार्टमेंट एक साल के लिए लीज पर दिया गया है, जिसमें श्रद्धा कपूर ने पूरे साल का एडवांस किराया 72 लाख रुपये जमा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लीज समझौता 16 अक्टूबर को पंजीकृत हुआ, जिसमें अभिनेत्री के लिए चार कार पार्किंग स्पेस भी शामिल हैं। इस लेन-देन में 36,000 रुपये का स्टाम्प ड्यूटी और 1,000 रुपये की पंजीकरण फीस भी चुकाई गई है। श्रद्धा कपूर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। वह आखिरी बार स्त्री 2 में नजर आईं, जिसका निर्देशन अमर कौशिक ने किया था। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को रिलीज हुई थी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में राजकुमार राव ने भी अभिनय किया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म स्त्री 2 ने कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। फिल्म में अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी और पंकज त्रिपाठी भी थे। वहीं, अक्षय कुमार और तमन्ना भाटिया इस फिल्म में विशिष्ट भूमिका में नजर आए थे। 'स्त्री 2' 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर खेल खेल में और वेद जैसी बड़ी हिंदी फिल्मों के साथ रिलीज हुई थी। दर्शकों को यह फिल्म इतनी ज्यादा पसंद आई कि इसने शाहरुख खान की 'जवान' जैसी फिल्म के हिंदी भाषा के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया।

मेट्रो बाजार

भारत के कपड़ा उद्योग ने पकड़ी रफ्तार चीन-वियतनाम को दे रहा टक्कर

नई दिल्ली. दोपहर मेट्रो

भारत के कपड़ा उद्योग में आने वाले वर्षों में तेज वृद्धि दर देखने को मिल सकती है और इस उद्योग का आकार बढ़कर 2030 तक 350 अरब डॉलर का हो सकता है। इस दौरान करीब 3.5 करोड़ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

केंद्र सरकार द्वारा कपड़ा उद्योग की प्रगति के लिए लाई गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम से परिधान उद्योग का प्रोडक्शन बढ़ रहा है और उद्योग अपनी ब्रांडिंग करने में सक्षम हो रहा है। साथ ही पीएलआई स्कीम की मदद से कपड़ा उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) भी तेजी से आकर्षित हो रहा है। आने वाले वर्षों में भारत चीन और वियतनाम को टक्कर देने लिए तैयार है। हाल ही में कपड़ा सचिव रचना शाह ने कहा था कि भारत के कपड़ा क्षेत्र में अगले 3-5 वर्षों में सात पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्कों और मानव निर्मित कपड़ों और तकनीकी वस्त्र उत्पादों के लिए पीएलआई योजना से 95,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है।

विदेशी नामी ब्रांडों ने भारत को दिए ऑर्डर: कई विदेशी कंपनियों ने भारतीय कंपनियों को बड़े-बड़े ऑर्डर देने शुरू किए हैं, जिसकी वजह से भारत ने रिकॉर्ड निर्यात किया। पहले ये कंपनियां चीन और बांग्लादेश से सामान खरीदते थे, लेकिन अब ये भारत का रुख कर रहे हैं।

सूती वस्त्रों के निर्यात में 54 प्रतिशत हिस्सेदारी: उत्पाद कैटेगिरी के संदर्भ में सूती वस्त्रों का निर्यात 19.2 अरब डॉलर का था। इसकी कुल निर्यात में 54 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है, जो 2019-20 में 40 प्रतिशत थी।

बांग्लादेश को हुआ भारी नुकसान : बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां कपड़ा निर्यात पूरी तरह ठप है। जिसका फायदा भी भारत के निर्यातकों मिल रहा है। पहले बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री दुनिया की सबसे बड़ी इंडस्ट्रीज में से एक थी। यहां बने कपड़े भारत सहित दुनियाभर के कई देशों में निर्यात किए जाते थे।

यूपीआइ ट्रांजेक्शन में आई गिरावट, आइएमपीएस लेनदेन में भी कमी

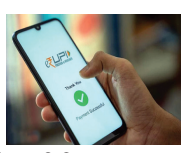

नई दिल्ली, एजेंसी. त्योहारी बिक्री के चलते अक्टूबर में ऑलटाइम हाई पर पहुंचने के बाद, नवंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) लेनदेन की मात्रा 7 प्रतिशत घटकर 15.48 अरब पर आ गई, जबकि वैल्यू 8 प्रतिशत घटकर 21.55 लाख करोड़ रुपए रह गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के डेटा में सामने आई। अक्टूबर में यूपीआइ ने 16.58 अरब लेनदेन दर्ज किए थे, जिनकी वैल्यू 23.5 लाख करोड़ थी। यह आंकड़ा अप्रेल 2016 में इस डिजिटल भुगतान प्रणाली की शुरुआत के बाद से सबसे अधिक था। अक्टूबर की बढ़त मुख्य रूप से त्योहारी सीजन में पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन में वृद्धि के कारण थी, जो नवंबर में स्वाभाविक रूप से कम हो गई। नवंबर 2023 की तुलना में, यह मात्रा में 38 प्रतिशत और वैल्यू में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, दैनिक लेनदेन की संख्या अक्टूबर में 535 करोड़ से घटकर नवंबर में 51.6 करोड़ हो गई।

कैलाश मकवाना ने पुलिस मुखिया का पद संभाला

साइबर अपराध पर अंकुश डीजीपी की प्राथमिकता, अफसरों को नियम से काम के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डिजिटलीकरण और ऑनलाइन लेन-देन में वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में तेजी आई है। इसे रोकने के लिए पुलिस को तकनीकी दृष्टि से और अधिक सक्षम बनाने की जरूरत है। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मानव संसाधन और तकनीकी उन्नति को प्राथमिकता दी जाएगी। मीडिया से चर्चा करते हुए यह बात मध्यप्रदेश के नए मुखिया के रूप में कार्यभार संभालने के बाद साल 1988 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कैलाश मकवाना ने कही।

मकवाना इसके पूर्व मप्र पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन भोपाल के चेयरमैन के रूप में पदस्थ थे। नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मकवाना से कहा कि मु यमंत्री ने जिस विश्वास और जिम्मेदारी के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा है। वह इसे पूरी ईमानदारी व समर्पण के साथ निभाएंगे। राज्य में बढ़ते साइबर अपराधों पर काबू पाना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक होगा। उन्होंने यातायात सुरक्षा को एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आम जनता की समस्याओं पर गंभीर

नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक ने पुलिस की कार्यशैली में सुधार पर बल देते हुए कहा कि पुलिस थानों में आम जनता के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा मेरी कोशिश रहेगी कि पुलिस थानों में आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और समय पर समाधान किया जाए। हमारा लक्ष्य राज्य को सुरक्षित और जनता के लिए भरोसेमंद बनाना है। यातायात सुरक्षा और जागरूकता अभियान को तेज किया जाएगा। दुर्घटनाओं को कम करने के लिए इंजीनियरिंग डिजाइनों और अन्य विभागों के साथ समन्वय पर ध्यान दिया जाएगा।

सुव्यवस्थित सिंहस्थ सर्वोच्च प्राथमिकता

मकवाना ने कहा कि 2028 में उज्जैन में होने वाला विश्व प्रसिद्ध धार्मिक आयोजन सिंहस्थ सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू करने और राज्य के पुलिसिंग सिस्टम की गहन समीक्षा करने की बात भी कही।

राष्ट्रपति के सेवा पदक से सम्मानित

मकवाना अि यांत्रिकी में स्नातकोत्तर (एमटेक) हैं। उल्लेखनीय पुलिस कार्यों के लिए साल 2005 में उन्हें राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक और साल 2014 में विशिष्ट सेवा पदक से स मानित किया जा चुका है।

कैलाश मकवाना दंतेवाड़ा, बस्तर, मंदसौर व बैतूल जिले के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं।

अफसरों को निर्देश- नियम से काम करें

मकवाना ने कार्यभार संभालने के बाद वरिष्ठ अफसरों की बैठक ली और कहा कि सभी अधिकारी नियमानुसार काम करें। प्रकारांतर से उन्होंने दबावमुक्त होकर काम करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि अनावश्यक रूप से फाइलें न भेजी जाएं। मकवाना आज मैदानी अफसरों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग भी कर रहे हैं।

अपने साथी फरार आरोपी के साथ मिलकर बनाई थी छह फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट

मेट्रोमोनियल साइट पर ठगी करने वाला मैनेजर गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर क्राइम ब्रांच ने फर्जी मेट्रोमोनियल वेबसाइट को मैनेज कर ठगी करने वाले मैनेजर को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में पता चला कि उसने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से करीब 500 लोगों को ठगा है। वह अपने कॉल सेंटर में काम करने वाली टेलीकॉलर गर्ल्स से शादी का रिश्ता तय कराकर शादी की शॉपिंग, शादी के दस्तावेज,वकील की फीस, होटल का किराया, मंगल सूत्र खरीदने, शगुन, पुरोहिता की फीस के नाम पर पैसे वसूल लेता था।

बाद में शादी कैंसिल कर देता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिलासपुर, छत्तीसगढ़ निवासी 24 वर्षीय हरीश भारद्वाज के रूप में हुई है। वर्तमान में वाराणसी में रह रहा था। 12वीं तक पढा है। उसने इंडियन रॉयल मैट्रिमनी, सर्च रिश्ते, ड्रीम पार्टनर इण्डिया, 7 फेरे मैट्रिमनी, संगम विवाह, माय शादी नाम से फर्जी वेबसाइट

एडिशनल डीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि कस्तुरबा नगर निवासी 47 वर्षीय आनंद कुमार दीक्षित ने 4 मई को शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उन्हें फेसबुक पर संगम विवाह मेट्रोमनी का विज्ञापन देखा। जिस पर क्लिक करने पर उनको वाट्सऐप में चैट के जरिए लड़कियों के फोटोज भेजे गए।

जिसमें से फोटो सिलेक्ट करने के बाद कॉल सेंटर की युवतियों से उनसे बात कराई गई। जिसके बाद युवती ने शादी के कागज तैयार करने, वकील की फीस, होटल का किराया, मंगल सूत्र खरीदने, शगुन, पंडित के नाम से करीब डेढ़ लाख रुपए वसूल लिए। बाद में युवती शादी से मुकर गई।

इंटरनेट से खूबसूरत लड़कियों के फोटो लेकर भेजे

आरोपी द्वारा अपने साथी फरार आरोपी के साथ मिलकर फर्जी तरीके से 6 मैट्रिमोनियल बेवसाइट बना रखी है। इन सभी के लिए वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देते हैं। विज्ञापन में इंटरनेट से किसी भी युवती की फोटो डाउनलोड कर उसका फर्जी बायोडाटा तैयार कर कस्टमर वाट्सएप पर भेज देते हैं। ग्राहम फोटो देखकर युवती सलेक्ट करता है। जिसके बाद आरोपी के कॉल सेंटर में काम करने वाली किसी युवती का मोबाइल नंबर भेज देते हैं। ग्राहक उससे बात करने लगता है। युवतियां जल्द शादी करने के बहाने कर कस्टूमर से गिफ्ट के रूप में पैसे वसूलती है। जब शादी की बारी आती है तो वह रिश्ते से मुकर जाती हैं।

युवतियों को देता था 8-10 हजार रुपए वेतन

टेलीकॉलर युवतियों को 8-10 हजार रुपए प्रति महीना दिया जाता है। इस प्रकार यह लोग कस्टूमर के साथ छोटे-छोटे अमाउंट में रुपए लेते है। कम राशि का फ्रॉड करते है जिससे की इनकी अधिकतर लोग रिपोर्ट नहीं करते। यदि कोई ज्यादा पीछे पड़ता है तो उसके खिलाफ पुलिस में कार्यवाही कराने की धमकी देते हैं। दीक्षित के साथ फ्रॉड होने के बाद राष्ट्रीय सायबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत की गई थी। जिसका ट्रेल में बैंक खाता बंद हो गया था जिसको खुलवाने के लिए आरोपी हरीश भारद्वाज सायबर क्राइम पहुंचा। पुलिस ने पूछताछ शुरू की। उसने बताया कि 6 फर्जी मैट्रिमोनियल बेवसाइट के जरिए वह फ्रॉड करता है।

शातिर नकबजन गिरफ्तार, कटनी रीवा में चोरी, जैन मंदिर में की लूट

कटारा हिल्स की प्राइड सिटी में चोरी की वारदात कबूली, धरपकड़ में अंधेरा का फायदा उठाकर चार आरोपी फरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स पुलिस ने शातिर नकबजन को गिरफ्तार किया है। नकबजन ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर, कटनी, रीवा में नकबजनी और जबलपुर के जैन मंदिर में लूट की वारदात की थी। आरोपी ने कटारा हिल्स की प्राइड सिटी और बायपास से लगी अन्य कालोनियों में भी वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस की धरपकड़ की कार्रवाई में उसके चार साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। डीसीपी जोन टू संजय अग्रवाल ने बताया कि गत 27 नवंबर को फ्लावर सिटी निवासी ललित शर्मा की बहन सेज सनसिटी कटारा हिल्स में रहती हैं। ललित की बहन के सूने मकान में कुछ अज्ञात नकबजनों ने ताला तोड़ लिया। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर जांच की। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे। फुटेज में पांच संदिग्ध नजर आएं। फुटेज के आधार पर पुलिस ने नकबजनों की तलाश की और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया।

प्राइड सिटी के पास पकड़ाया बदमाश

रविवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पांच संदिग्ध युवक चोरी की नियत से प्राइड सिटी के पास घूम रहे हैं। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया और चार युवक भागने में कामयाब हो गए। हालांकि पुलिस ने एक बदमाश को बाइक समेत दबोच लिया। आरोपी ने अपना नाम करन बघेल उर्फ रण सिंह पिता कमरू बघेल (22) ग्राम गुराड़िया, तहसील कुक्षी थाना टांडा, जिला धार बताया। उसे थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने चारों साथियों के नाम सुखराम, गुड्डू, राजू एवं संजय निवासी टांडा बताया।

नकबजनी के अलावा चार बाइक चोरी

पूछताछ में करन ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ रीवा, कटनी में नकबजनी की घटना और जबलपुर जैन मंदिर में लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इसके अलावा चार बाइक भी चोरी की है। सभी 27 नवंबर भोपाल पहुंचे थे और बायपास से लगी एक कालोनी के खेत में रात 08 बजे जाकर सो गए। रात करीब दो बजे उठे और कॉलोनी की दीवार कूदकर कालोनी में नकबजनी की वारदात की। दूसरी वारदात करने पहुंचे इस दौरान पुलिस ने पकड़ लिया।

चौथी मंजिल की छत से गिरकर नाबालिग की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित सब्जी फार्म, 46 नंबर मल्टी से गिरकर एक नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना गत 25 नवंबर की रात करीब दस बजे के आसपास की है। उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान सोमवार दोपहर उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि सांईबाबा नगर में वह रहती थी और यहां मल्टी में रहने वाले अपने दोस्त से मिलने गई थी, तभी छत से गिर गई।

उसने आत्महत्या की या फिर उसके साथ हादसा हुआ पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मुस्कान नागले पिता राजेश नागले (16) सांईबाबा नगर, शाहपुरा में रहती थी। वह महज पांचवी कक्षा तक पढ़ी थी। सब्जी फार्म में मल्टी नंबर 46 निवासी अभिषेक उसका परिचित है। गत 25 नवंबर की रात वह अभिषेक से मिलने मल्टी पहुंची। रात करीब 10 बजे वह मल्टी की छत से संदिग्ध परिस्थितियों में गिर गई। उसे इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मुस्कान के बयान दर्ज करने चाहे, लेकिन वह बयान देने की स्थिति में नहीं थी। पुलिस का कहना है कि मामला संदिग्ध लग रहा है जांच की जा रही है।

मल्टी में रहने वाले दोस्त के घर मिलने गई थी नाबालिग

सड़क पार कर रहे व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कर, मौत

इसी थाना क्षेत्र स्थित ईश्वर नगर में सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति को बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उसे गंभीर चोट आई थी। उसे हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस बाइक सवार की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार नवल सिंह पिता कन्हैयालाल (55) ईश्वर नगर में रहते थे। वे प्राइवेट काम करते थे। रविवार शाम नवल सिंह मोहल्ले में थे और सड़क पार कर रहे थे, तभी शाम करीब सात बजे के आसपास बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार भी गिरा था, लेकिन वह उठकर वह बाइक लेकर भाग निकला। इधर, गंभीर रूप से घायल नवल सिंह को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार सुबह उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

पति को नाश्ता लेने भेजा विवाहिता ने लगाई फांसी

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित सुभाष कॉलोनी में एक नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या से पूर्व उसने अपने पति से पोहा जलेबी खाने की जिद की थी। पति नाश्ता लेकर पहुंचा तो वह फांसी लगा चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है।

आम के पेड़ पर युवक ने लगाई फांसी

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव अर्रावत में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक युवक ने आम के पेड़ पर फांसी लगा ली। देर रात ही परिजन ने उसे फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार निकेश राजपूत पिता कमल सिंह राजपूत (22) गांव पीपलखेड़ा, तहसील बैरसिया में रहता था और खेती किसानी करता था। इसके अलावा वह दूध डेयरी का भी संचालन करता था। उसके बड़े भाई विकेश राजपूत ने पुलिस को बताया कि सोमवार रात वह घर से बिना बताया चला गया था। उसका मोबाइल भी घर पर रखा था। उसकी तलाश आसपास की पर कुछ पता नहीं चला। परिजन तलाश करते करते घर से खेत की तरफ पहुंचे। घर से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित खेत में आम के पेड़ पर उसकी लाश फांसी के फंदे पर लटकी नजर आई। परिजन से पूछताछ में करने पर आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है।

मेट्रो एंकर पिता और कजिन से कहा कि कर रहा हूं आत्महत्या, पिता अशोक नगर से भोपाल के लिए निकले, पर नहीं बच सकी यर्थाथ की जान

सीनियर की कार से 40 हजार चोरी, वाट्सएप चेट पर मांगी माफी, कर लिया खुद को शूट!

मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में नाबालिग खिलाड़ी की आत्महत्या का मामला, पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ स्थित बिशनखेड़ी के मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में रविवार शाम बारह बोर की रायफल से खुद को शूट करने वाले यर्थाथ का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि उसके सीनियर की ईको स्पोर्ट्स कार में रखे पचास हजार रुपए में से चालीस हजार रुपए चोरी हुए थे। सीनियर ने चेटिंग में कहा था कि तुमने रुपए चुराए हैं और अब वह चोरी की एफआईआर कराई जाएगी। उसने यह बात पिता और बहन को भी बताई थी। उसने पिता से कहा था कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं। पिता ने उसे समझाते हुए कहा था कि मैं अभी भोपाल के लिए निकल रहा हूं तुम कुछ मत करना, तुम्हारे बिना मैं नहीं रह सकूंगा। पिता भोपाल पहुंचने वाले ही थे। इससे पूर्व यर्थाथ ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

एक घंटे बाद जमा करनी थी रायफल

डीसीपी जोन-वन प्रियंका शुक्ला ने बताया कि यर्थाथ पिता अरुण रघुवंशी (17) अशोक नगर था और दो साल से शूटिंग अकादमी में प्रक्टिस कर रहा था। वह शूटिंग का अच्छा खिलाड़ी था। उसे प्रतिदिन सुबह 9 बजे रायफल मिलती थी। इसके अलावा प्रेक्टिस के लिए उसे ढाई सौ कारतूस भी मिलते थे।

रविवार सुबह उसने पिता के मोबाइल पर चेटिंग में बताया था कि उसके 21 साल के सीनियर बाहर से खेल कर आए हैं। उनकी कार से चालीस हजार रुपए की नगदी चोरी हो गई। वह मुझ पर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत करने की बात कह रहे हैं। पिता ने उससे बात की और उसे समझाइश दी कि वह भोपाल के लिए निकल गए हैं। उन्होंने यर्थाथ से कहा था कि तुम आत्महत्या नहीं करना, नहीं तो मैं जी नहीं सकूंगा। आत्महत्या शाम करीब पांच बजे की गई है। महज एक घंटे बाद उसे रायफल अकादमी में जमा करनी थी।

यर्थाथ ने न केवल अपने पिता को आत्महत्या का कहा था, बल्कि अपनी कजिन को भी कहा था कि तुम अपने दूसरे भाई को भी खो रही हो। दअरसल, कजिन के भाई का पूर्व में निधन हो चुका है। कजिन ने उसे समझाया पर वह नहीं माना और खुद को गोली मार ली।

आत्महत्या की करता था बात

यर्थाथ परिवार का इकलौता बेटा था। अरुण रघुवंशी अशोक नगर में रहते हैं और खेल विभाग में अधिकारी है। उसके चाचा भोपाल पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि यर्थाथ बारहवीं कक्षा में पढ़ता था और होनहार था, लेकिन वह छोटी छोटी बात में आत्महत्या करने की बात करता था। यर्थाथ ने पिता, कजिन और अपनी फ्रेंड से वाट्स एप पर चेटिंग की थी। उसने किसी के भी सामने कार से चोरी करने की बात नहीं स्वीकारी। सीनियर से भी बात करते समय उसने चोरी की बात से इंकार किया था। बाद में सीनियर ने उसे कहा कि सीसीटीवी कैमरे में तुम गाड़ी के पास नजर आए हो और तुम्हारी अब थाने में एफआईआर होगी। इस पर उसने चेंटिंग में जवाब दिया था कि भैया गलती हो गई। अब नहीं होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022